राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

जरूरी नहीं दूध हमेशा फायदा...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

गुरुवार, 01 सितंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 09 अंकः 252 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

बिहार में विवाद के बाद कार्तिक कुमार से कानून मंत्रालय लिया गया वापस, अब दिया गया ये विभाग

पटना। जबसे नीतीश कुमार ने एनडीए का से नाता तोड़कर महागठबंधन से मिलकर सरकार बनाई है, तब से भाजपा जबरदस्त तरीके से उन पर आरोप लगा रही है। इसी कड़ी में बिहार सरकार में कानून मंत्री बनाए गए कार्तिक कुमार पर भी भाजपा ने निशाना साधा था। दरअसल, कार्तिक कुमार के खिलाफ 4 आपराधिक मामले दर्ज हैं। तीन गंभीर धाराओं समेत 23 धाराओं में भी केस दर्ज है। भाजपा का कहना था कि जिस इंसान के ऊपर कितने केस हो, उसे कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी देकर नीतीश कुमार ने बिहार में एक बार फिर से जंगलराज की शुरुआत कर दी है। यही कारण रहा कि अब कानून मंत्री का विभाग बदल दिया गया है। कार्तिक कुमार को अब गन्ना उद्योग मंत्री बनाया गया है। वहीं, गन्ना उद्योग मंत्री शमीम अहमद को कानून मंत्रालय की जिम्मेदारी सौंपी गई है। आपको बता दें कि कार्तिक कुमार राजद कोटे से मंत्री हैं। कार्तिक कुमार बिहार विधान परिषद के सदस्य हैं। उन्हें अनंत सिंह का काफी करीबी माना जाता है। समर्थकों के बीच कार्तिकेय मास्टर के नाम से मशहूर है। अनंत सिंह भी इन्हें मास्टर साहब ही कह कर बुलाते हैं।

आपको बता दें कि कार्तिक सिंह के कानून मंत्री बनने के साथ ही उनके खिलाफ वारंट भी जारी हो गया था। जिसके बाद से भाजपा जबरदस्त तरीके से नीतीश सरकार पर हमलावर हो गई थी। वहीं राजद की ओर से दावा किया गया था कि अपराध भ्रष्टाचार के खिलाफ हर गठबंधन की सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति पर काम कर रही है। कार्तिक ने 16 अगस्त को नीतीश कुमारके नेतृत्व वाली नवगठित महागठबंधन सरकार में अपनी पार्टी के कोटे से मंत्री के रूप में शपथ ली थी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 2014 के अपहरण के एक मामले में कार्तिक के नामजद होने के बावजूद उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने पर सवाल खडा करते हुए उन्हें मंत्री पद से हटाए जाने की मांग की थी। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष संजय जायसवाल ने राज्य में इन मंत्रियों के विभागों में फेरबदल पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा, ''आज कार्तिकेय सिंह का विभाग बदल दिया गया। यह नीतीश की नई जीरो टॉलरेंस नीति है कि फंसाते भी हम है, बचाते भी हम है। हम ही लालू (राजद के राष्ट्रीय अध्यक्ष), तेजस्वी, अनंत सिंह, आनंद मोहन को फंसाएंगे और जब हमारे शरण में आ जाइएगा तो हम ही बचाएंगे।'' उन्होंने नीतीश पर ''रबर स्टाम्प मुख्यमंत्री'' होने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह अब लालू के परिवार के ''आदेशपालक'' की भूमिका में हैं। कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता असित नाथ तिवारी ने भाजपा पर पलटवार करते हुए कहा, ''बिहार में कैबिनेट फेरबदल से समस्या क्यों है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीयूष गोयल और स्मृति ईरानी जैसे केंद्रीय मंत्रियों के विभागों को बदल दिया तो किसी को कोई समस्या नहीं थी।'' भाजपा नेता सुशील कुमार मोदी के कार्तिक पर आरोप लगाया था कि अपहरण के एक मामले में समन जारी होने के बावजूद पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ वारंट जारी किया गया था और उन्होंने उसी दिन शपथ ली थी जिस दिन उन्हें एक अदालत में पेश होना था। कार्तिक पर लगाए गए आरोपों के बारे में 17 अगस्त को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से पूछे जाने पर उन्होंने कहा था कि उन्हें इस मामले में कोई जानकारी नहीं है।

पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत विजन को सशक्त करेगा हिमाचल का बल्क ड्रग पार्क: अनुराग ठाकुर

शिमला। केंद्रीय सूचना प्रसारण एवं खेल व युवा कार्यक्रम मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने हिमाचल प्रदेश में बहुप्रतीक्षित बल्क ड्रग पार्क की सैद्धांतिक मंजूरी के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी व केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्री मनसुख मांडविया जी का हार्दिक आभार प्रकट किया है। अनुराग ठाकुर ने कहा " हिमाचल प्रदेश में अच्छी स्वास्थ्य सेवा के साथ रोजगार के अवसर बढ़ सकें इस दिशा में मैं सदैव प्रयासरत हूँ। केमिकल एंड फर्टिलाइजर मिनिस्ट्री ने पूरे देश में तीन बल्क ड्रग पार्क देने का निर्णय लिया था, और 3000 करोड़ का प्रावधान पिछले बजट में किया था। हिमाचल क्योंकि फार्मा हब है इसलिए इन तीन में से एक बल्क ड्रग पार्क हिमाचल में भी आ सके इसके लिए सामूहिक प्रयास किए जा रहे हैं। यह हर्ष का विषय है कि देवभूमि हिमाचल में बल्क ड्रग पार्क को सैद्धांतिक मंजूरी मिल गई है। मेरे संसदीय क्षेत्र के जिला ऊना के हरोली विधानसभा में प्रस्तावित इस बल्क ड्रग पार्क की सैद्धांतिक मंजूरी से क्षेत्र में हर्ष की लहर है। मैं इस मंजूरी के लिए आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी व केंद्रीय रसायन व उर्वरक मंत्री श्री मनसुख मंडाविया जी का कोटिशः आभार प्रकट करता हूँ"

आगे बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने कहा " आदरणीय प्रधानमंत्री जी के आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को और बल देने वाले इस महत्वपूर्ण परियोजना को लेकर पूर्ण विश्वास है कि जल्द ही मोदी जी के कर कमलों से प्रदेश में करोड़ों का निवेश लाने व हजारों रोजगार के अवसर पैदा करने वाले इस बल्क ड्रग पार्क की आधारशिला रखी जाएगी।हिमाचल फार्मा हब है व केंद्र व राज्य सरकार के क्रमशः ₹ 1000 करोड़ व 190 करोड़ की राशि से बनने वाला यह बल्क ड्रग पार्क दवाओं के निर्माण के लिए कच्चा माल हिमाचल में ही उपलब्ध करा कर विदेशों पर निर्भरता कम कर आत्मनिर्भर भारत का सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करेगा" अनुराग ठाकुर ने कहा " हाल ही में केंद्रीय रसायन और उर्वरक व स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया जी से भेंट के दौरान मैंने उनसे एक बल्क ड्रग पार्क को हिमाचल में लगाने की मंजूरी देने अतिरिक्त माननीय स्वास्थ्य मंत्री से ऊना में बन रहे पीजीआई सैटेलाइट सेंटर के जल्द निर्माण कार्य पूरा का आग्रह किया था। मेरे अनुरोध को उन्होंने सकारात्मक रूप से लिया जिसके लिए मैं उनका आभारी हूँ। इस बल्क ड्रग पार्क के बनने से ना सिर्फ पूरे हिमाचल में फार्मा उद्योग को और बढ़ावा मिलेगा बल्कि इस मंजूरी मिलने पर हजारों लोगों को रोजगार का अवसर भी मिलेगा। बल्क ड्रग पार्क बनने से यहाँ एक बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर बनकर तैयार होगा जिसका लाभ पूरे प्रदेश को मिलेगा"

`भारत जोड़ो' यात्रा का मकसद भाषण देना नहीं, लोगों की बात सुनना: जयराम रमेश

चेन्नई। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने बुधवार को कहा कि पार्टी की 'भारत जोड़ो यात्रा' बोलने वाली नहीं, सुनने वाली यात्रा होगी जिसमें राहुल गांधी भाषण नहीं देंगे, बल्कि समाज के विभिन्न वर्गों की बात सुनेंगे। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी सात सितंबर को तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कश्मीर तक करीब 3,500 किलोमीटर की पदयात्रा शुरू करेंगे जिसे 150 दिन में पूरा किया जाएगा। यात्रा देश के विभिन्न हिस्सों से होकर गुजरेगी। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यहां संवाददाताओं से कहा कि पार्टी का उद्देश्य भाजपा के 'भारत बांटो' के खिलाफ भारत जोड़ने' का है। उन्होंने कहा कि यह कांग्रेस का सबसे बड़ा राजनीतिक जनसंपर्क अभियान है और राहुल गांधी सामाजिक ध्रुवीकरण, आर्थिक असमानता तथा केंद्र में अधिकारों के केंद्रीकरण जैसे विषयों पर पदयात्रा करेंगे। रमेश के मुताबिक राहुल गांधी पूरी यात्रा पैदल करेंगे। रमेश ने कहा कि राहुल गांधी भाषण नहीं देंगे, वह दलितों और आदिवासियों समेत समाज के सभी लोगों की बात सुनेंगे। उन्होंने कहा, ''यह एक सार्वजनिक, खुली, पारदर्शी कवायद है।'' रमेश के मुताबिक, राहुल गांधी के साथ जुड़ने के लिए समान विचारों के सभी लोगों को आमंत्रित किया जा रहा है। रमेश ने बताया कि राहुल गांधी सात सितंबर को कन्याकुमारी में एक बड़ी जनसभा को संबोधित करने के बाद अगली सुबह से पैदल यात्रा शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि एक दिन में दो पालियों में 23 किलोमीटर की यात्रा की जाएगी।

आम आदमी पार्टी झूठे लोगों की पार्टी, संबित पात्रा का दावा– मनीष सिसोदिया ने किया है शराब घोटाला

दिल्ली में शराब नीति को लेकर भाजपा और आम आदमी पार्टी के बीच वार पलटवार का दौर जारी है। भाजपा लगातार दिल्ली सरकार और मनीष सिसोदिया पर शराब घोटाले का आरोप लगा रही है। वही आम आदमी पार्टी अपने नेता को पाक साफ बता रही है। हालांकि दोनों ओर से लगातार जुबानी जंग भी जारी है। इन सबके बीच भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने एक बार फिर से मनीष सिसोदिया पर जबरदस्त तरीके से निशाना साधा है। संबित पात्रा ने साफ तौर पर कहा है कि मनीष सिसोदिया ने शराब घोटाला किया है। अपने बयान में संबित पात्रा ने कहा कि सत्येंद्र जैन की गिरफ्तारी से ठीक पहले, वे यही नाटक कर रहे थे लेकिन सत्येंद्र को अभी तक जमानत नहीं मिली है। मनीष सिसोदिया ने शराब घोटाला किया है और यही कारण है कि वे फिर से वही नाटक कर रहे हैं। आम आदमी पार्टी झूठे लोगों की पार्टी है। आपको बता दें कि दिल्ली में शराब नीति को लेकर उपराज्यपाल ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे जिसके बाद से दोनों दलों के बीच तकरार शुरू हुई थी। मनीष सिसोदिया ने मंगलवार को अपने बैंक लॉकर की तलाशी में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को कुछ नहीं मिलने का दावा किया था, जिसके बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि सिसोदिया की ईमानदारी और देशभक्ति पूरे देश के सामने साबित हो गयी है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि यह कार्रवाई 'गंदी राजनीति' से प्रेरित है।

गणेश पंडाल तैयार करते समय लगा बिजली का करंट, दो लोगों की मौत

खेड़ा (गुजरात)। गुजरात के खेड़ा जिले स्थित नाडियाड कस्बे में गणेश पंडाल तैयार करते समय बिजली का करंट लगने से दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। एक अधिकारी ने बताया कि गीतांजलि चौक पर मंगलवार देर रात सार्वजनिक गणेश पंडाल लगाते वक्त यह घटना हुई। उन्होंने बताया, ''पीड़ित तिरपाल लगाते हुए बिजली के तार की चपेट में आ गए। दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीसरे को बचा लिया गया।'' अधिकारी ने बताया कि मृतकों की पहचान जितेंद्र तलपडा (24) और राजू पलास (35) के तौर पर की गई है।

दिल्ली में देश का पहला वर्चुअल स्कूल, डिजिटल लाइब्रेरी समेत होंगी ये सुविधाएं

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने आज प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए शिक्षा को लेकर एक बडा ऐलान किया है। सीएम केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली सरकार ने राजधानी में पहली वर्चुअसल स्कूल शुरू करने का फैसला किया है। छात्र दिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूल में लाइव क्लासेस को अटेंड कर सकते हैं और रिकॉर्ड किए गए क्लास को देख सकते हैं। अभी यह स्कूल कक्षा 9–12 तक के लिए शूरू किया जा रहा है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हम छात्रों को जेईई और नीट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी मदद करेंगे। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि आज हम दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के तहत भारत का पहला वर्चुअल स्कूल शदिल्ली मॉडल वर्चुअल स्कूलश की शुरूआत कर रहे हैं। आज से कक्षा 9 के नामांकन के लिए आवेदन शुरू किया जा रहा है। देश भर के इसके लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने कहा, "बहुत से बच्चे ऐसे हैं जो स्कूल नहीं जाते। गांव में स्कूल नहीं हैं या बहुत दूर हैं या फिर लड़कियों को उनके परिजन पढ़ाते नहीं है, क्योंकि वह लड़कियों को बाहर नहीं भेजना चाहते या फिर जो बच्चे बचपन से ही काम पर लग जाते हैं,ऐसे सभी बच्चों के लिए यह वर्चुअल स्कूल शुरू किया गया है। सीएम केजरीवाल ने कहा, "13 से 18 साल का बच्चा, जिसने आठवीं क्लास किसी भी स्कूल से की है, वह आवेदन कर सकता है। इस स्कूल में पढ़ाई के अलावा कंपटीशन एग्जाम की भी तैयारी भी करवाई जाएगी। इसके अलावा भी बच्चों कोबहुत सारी सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने कहा, "शिक्षा के क्षेत्र में यह एक क्रांतिकारी कदम साबित होगा। मैं उम्मीद करता हूं आने वाले समय में हमारे देश के हर बच्चे को अच्छी से अच्छी शिक्षा मिलेगी।

महिलाओं के लिए बिल्कुल भी सुरक्षित नहीं है राजस्थान, बलात्कार के सबसे अधिक मामले यहां किए गए दर्ज

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की नई रिपोर्ट के अनुसार भारत में 2021 में बलात्कार के कुल 31,677 मामले, यानी रोजाना औसतन 86 ममले दर्ज किए गए। वहीं उस साल महिलाओं के खिलाफ अपराध के करीब 49 मामले प्रति घंटे दर्ज किए गए। गृह मंत्रालय के तहत काम करने वाले एनसीआरबी की 'क्राइम इन इंडिया 2021' रिपोर्ट के अनुसार, 2020 में बलात्कार के 28,046 मामले, जबकि 2019 में 32,033 मामले दर्ज किए गए थे। 2021 में राजस्थान में दुष्कर्म के सबसे अधिक 6,337 मामले दर्ज किए, जिसके बाद मध्य प्रदेश में 2,947, महाराष्ट्र में 2,496, उत्तर प्रदेश में 2,845, दिल्ली में 1,250 बलात्कार के मामले दर्ज किए गए। रिपोर्ट के अनुसार, 2021 में देश भर में ''महिलाओं के खिलाफ अपराध'' के कुल 4,28,278 मामले दर्ज किए गए, जिनमें अपराध की दर (प्रति एक लाख आबादी पर) 64.5 प्रतिशत थी। ऐसे अपराधों में 77.1 प्रतिशत मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए गए। आंकड़ों के अनुसार, देशभर में 2020 में ''महिलाओं के खिलाफ अपराध'' के 3,71,503 मामले और 2019 में 4,05,326 मामले दर्ज किए गए थे। एनसीआरबी के अनुसार, 2021 में ''महिलाओं के खिलाफ अपराध'' के सबसे अधिक 56,083 मामले उत्तर प्रदेश में दर्ज किए गए। इसके बाद, राजस्थान में 40,738, महाराष्ट्र में 39,526, पश्चिम बंगाल में 35,884 और ओडिशा में 31,352 मामले दर्ज किए गए।

चाणक्य की धरती से बीजेपी के खिलाफ रणनीति, KCR ने पटना में नीतीश कुमार और तेजस्वी से की मुलाकात

पटना। बिहार में नीतीश कुमार के एनडीए से गठबंधन तोड़ महागठबंधन के साथ सरकार बनाने के बाद से ही लगातार इस बात की चर्चा तेज हो गई थी कि इसके बाद उनका अगला कदम क्या होगा? बिहार की राजधानी पटना से लेकर देश की राजधानी दिल्ली तक इसको लेकर उत्सुकता है। सूत्रों की माने तो नीतीश कुमार सितंबर के पहले हफ्ते में ही दिल्ली का चक्कर लगा सकते हैं। जिसके बाद से ही दिल्ली का उनका नियमित दौरा शुरू होगा। वो तमाम क्षेत्रीय दलों के नेताओं से मिलने उनके राज्य भी जाएंगे। इन तमाम कवायदों के पीछे केवल और केवल एक ही उद्देश्य होगा 2024 के चुनाव में विपक्षी एकता को धार देना। इसकी बानगी अब दिखने भी लगी है। आज तेजलंगाना के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने आज पटना में राज्य के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव से मुलाकात की। इस मुलाकात के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। बीजेपी को घेरने पर बातः नीतीश कुमार ने जिस तरह पिछले दिनों बीजेपी के बड़े गेम को उजागर किया उससे विपक्षी दलों में उनकी लोकप्रियता बढ़ी है। वहीं नीतीश भी कह चुके हैं 2024 लोकसभा चुनाव के मद्देनजर विपक्ष की एकता के लिए वह समय देने को तैयार हैं। केसीआर भले ही तेलंगाना तक सीमित हैं। लेकिन बीजेपी के साथ उनका 36 का आंकड़ा है। वो लगातार बीजेपी के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने की तमाम कोशिशें पहले भी कर चुके हैं। केसीआर केवल नीतीश कुमार के ही नहीं बल्कि शिवसेना, आप, टीएमसी जैसे विभिन्न राज्यों के दूसरे दलों के नेताओं से भी मिल चुके हैं।

अंतर्जनपदीय ट्रक चोर गैंग का पर्दाफाश, छह गिरफ्तार

–कैंट थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच व सर्विलास टीम को मिली सफलता

अयोध्या। जनपद की कैंट थाना पुलिस, क्राइम ब्रांच व सर्विलांस टीम को चार पहिया वाहन चोरों के अंतर्जनपदीय गैंग का पर्दाफाश करने में सफलता मिली है। पुलिस टीम ने कैंट थाना क्षेत्र के गद्दोपुर रेलवे क्रॉसिंग के पास से अंतर्जनपदीय गैंग के 6 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। इनकी निशानदेही पर चोरी की एक स्विफ्ट डिजायर कार, एक बलेनो कार व एक महिंद्रा एक्सयूवी कार बरामद हुई है। इनके पास से 3 तमंचा कारतूस व तीन लाख 97 हजार रूपये नगद भी बरामद हुए हैं।एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि कैंट पुलिस व क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थाना क्षेत्र के गद्दोपुर रेलवे क्रासिंग के पास कुछ शातिर चोर चोरी की योजना बना रहे हैं जिसके बाद कैंट पुलिस क्राइम ब्रांच हुआ सर्विलांस की संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर 6 शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। जबकि तीन चोर अभी वांछित हैं। यह सभी पकड़े गए चोर अयोध्या बस्ती गोंडा और वाराणसी के रहने वाले हैं। एसपी सिटी मधुबन सिंह ने बताया कि यह सभी चोर पहले रेकी करते थे उसके बाद कार व ट्रक की चोरी करते थे और रूट बदलकर अन्य जनपदो में ले जाकर बेच देते थे। इन सभी का आपराधिक इतिहास खंगाला जा रहा है।

गिरफ्तार अभियुक्तों में 38 वर्षीय अमरेश बहादुर वर्मा उर्फ पप्पू वर्मा पुत्र रामसागर वर्मा निवासी ढेलहूपुर रघुनाथपुर थाना परशुरामपुर जनपद बस्ती, 40 वर्षीय नदीम अहमद पुत्र जफरूल्लाह निवासी भदोखर थाना पूराकलन्दर अयोध्या, 32 वर्षीय साजिद सिद्दीकी पुत्र राजिक अली सिद्दीकी निवासी फातिमा स्कूल कर्बला थाना कोतवाली नगर जनपद गोण्डा, 25 वर्षीय किशन साहू उर्फ छोटू पुत्र श्याम किशोर साहू निवासी कटरौली थाना रौनाही जनपद अयोध्या, 38 वर्षीय माधव गिरी उर्फ पिन्टू पुत्र निरंजन गिरी निवासी पाण्डेयपुर नई बस्ती थाना जैदपुरा जनपद वाराणसी व 28 वर्षीय मनोज कुमार पासवान उर्फ शेरू पुत्र कांग्रेसी चौधरी निवासी चौकाघाट पानी की टंकी के पास थाना जैदपुर जनपद वाराणसी का निवासी है। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम कैंट थानाध्यक्ष रतन शर्मा, सर्विलांस प्रभारी निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला स्टवाट टीम प्रभारी निरीक्षक अरशद खान, उ.नि. अरविन्द पटेल, उ.नि. संजय यादव, हे.का. अजय सिंह व सिपाही प्रियेश सिंह, मुकेश यादव, विनय राय, अजीत गुप्ता, अंकित राय, शिवम सिंह, सौरभ सिंह, सुनील यादव, ओम प्रकाश सिंह, उत्सव सिंह, विशाल सरोज, अभय सिंह, राहुल पाल शामिल थे।

किसानों की समस्या को लेकर सपाइयों ने किया धरना प्रदर्शन

एसडीएम को सौंपा सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन

मिल्कीपुर–अयोध्या। सपा कार्यकर्ताओं एवं नेताओं ने समाजवादी पार्टी के बैनर तले मिल्कीपुर तहसील परिसर में विशाल धरना प्रदर्शन कर किसानों की समस्याओं को लेकर सात सूत्रीय मांगों का ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। मिल्कीपुर तहसील परिसर में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पूर्व कैबिनेट मंत्री व मिल्कीपुर विधायक अवधेश प्रसाद के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी बैनर तले समस्याओं को लेकर धरना दिया। धरने का संचालन यदुनाथ यादव द्वारा किया गया। प्रदेश में सूखे का घोर संकट है, जिसमें जनपद अयोध्या का विधानसभा क्षेत्र मिल्कीपुर भी शामिल है। किसानों की फसल बरसात न होने से कहीं 5 फीसदी, कहीं 10 फीसदी, कहीं 15 फीसदी पूरे क्षेत्र में 40 फीसदी से ज्यादा धान की रोपाई नहीं हो पाई है और जो रोपाई हुई है उन्हें साड़ो और छुट्टा आवारा पशुओं द्वारा चर कर समाप्त कर दी जा रही है। क्षेत्र में 80 फीसदी से ज्यादा राजकीय नलकूप बंद पड़े हैं। जिनके ट्रांसफार्मर जलने पर महीनों महीनों तक नहीं बदला जा रहा है।

गांवों में पेयजल का घोर संकट है। जानवर व पशु पक्षियों के लिए तालाबों में पानी नहीं है। पानी का जलस्तर नीचे चला गया है। धरने को संबोधित करते हुए विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि किसानों की समस्याओं को लेकर केंद्र एवं प्रदेश की भाजपा सरकार पूरी तरह से गूंगी बहरी हो चुकी है। सरकार केवल हिंदू–मुस्लिम का राग अलापते हुए लोगों को गुमराह कर रही है और उन्हें आमजन की समस्या से कोई लेना–देना नहीं रह गया है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने किसानों की समस्याओं से जुड़े सात सूत्रीय मांगो का ज्ञापन एसडीएम न्यायिक अंशुमान सिंह को दिया गया। जिनमें अयोध्या सहित पूरे प्रदेश को सूखाग्रस्त घोषित कर बड़े पैमाने पर सूखा राहत कार्यक्रम प्रारंभ किया जाए, ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल के संकट को देखते हुए प्रत्येक गांव में इंडिया मार्क टू हैंड पंप लगाया जाए, जले हुए ट्रांसफार्मर 48 घंटे में बदले जाएं तथा जिन लोगों का बिजली बिल या कोई सरकारी बकाया है, तत्काल वसूली रोकी जाए। किसानों की फसलों को साड़ो तथा आवारा पशुओं से बचाने की कारगर योजना बनाई जाए। जिन्हें सांडों ने मार कर मौत के घाट उतारा है, उनके परिवार को 5 लाख की आर्थिक सहायता दी जाए। सूखे की गंभीर हालत को देखकर विधानसभा का विशेष सत्र आहूत करके उस पर चर्चा करके योजना बनाई जाए, सूखे पड़े तालाबों को नहरों, राजकीय नलकूपों तथा व्यक्तिगत नलकूपों द्वारा भरा जाए, बड़े पैमाने पर काम के बदले अनाज योजना चलाई जाए, जिससे बेकार श्रमिक को रोजगार मिल सके। धरने को पूर्व सपा जिलाध्यक्ष जय शंकर पांडे, मयूरी तिवारी, छोटे लाल यादव, पृथ्वीराज यादव, बख्तियार खान सहित अन्य लोगों ने संबोधित किया। धरने में सैकड़ों लोग शामिल रहे।

रामलीला महोत्सव को लेकर प्रशानन व समिति पदाधिकारियों की हुई बैठक

क्षतिग्रस्त सड़कों को जल्द ठीक कराने की हुई मांग

अयोध्या। आगामी रामलीला महोत्सव के तैयारियों के संदर्भ में जिला प्रशासन और केंद्रीय दुर्गा पूजा एवं रामलीला समन्वय समिति की एक संयुक्त बैठक अपर जिलाधिकारी नगर सलिल कुमार पटेल की अध्यक्षता में और अपर पुलिस अधीक्षक नगर मधुवन कुमार सिंह की उपस्थिति में केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल और केंद्रीय समिति तथा नगर के सभी रामलीला समितियों के पदाधिकारियों की उपस्थिति में स्थानीय धारा रोड पर स्थित एसपी सिटी के कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक में प्रशासन के समक्ष केंद्रीय समिति और रामलीला समितियों के पदाधिकारियों द्वारा आगामी रामलीला महोत्सव के कार्यक्रम को रखा गया। रामलीला महोत्सव कैसे सुचारू सुव्यवस्थित और भव्य ढंग से संपन्न हो इसके बारे में बैठक में विस्तार से चर्चा की गई। केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जयसवाल ने प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष रामलीला समितियों के प्रमुख समस्याओं को रखते हुए कहा कि रामलीला और दुर्गा पूजा का महोत्सव एक साथ शहर में भव्य तरीके से मनाया जाता रहा है। भगवान श्री राम की जन्मस्थली होने से यहां होने वाले भव्य रामलीला मंचनों के द्वारा पूरे विश्व को संदेश दिया जाता है, लेकिन इस बार नगर के सड़कों की स्थिति बहुत ही दयनीय है जिससे रामलीला के परंपरागत कार्यक्रम को करने में बहुत ही ज्यादा असुविधा होने की स्थिति है जिस पर अविलंब कार्य कराया जाना अति आवश्यक है। रामलीला के शोभा यात्रा और नाव नेवरिया मार्ग भी जगह छतिग्रस्त हैं, ऐसे में आगामी महोत्सव के सुगमता और भव्यता पूर्वक संपन्न होने पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है। केंद्रीय समिति के प्रमुख संरक्षक विजय कुमार गुप्ता ने कहा कि जो भी समस्याएं प्रशासन के समक्ष रखी जा रही हैं उन्हें गंभीरता से समाधान कराने की आवश्यकता है। फतेहगंज रामलीला कमेटी के पदाधिकारी प्रेमनाथ राय ने कहा अयोध्या नगर में होने वाली रामलीला को देखने हजारों लाखों की संख्या में श्रधालुगण आते हैं उन्हें कोई असुविधा ना हो इसलिए हम लोगों को बेहतर कार्य योजना बनाने की जरूरत है। बैठक में रामलीला समिति से आए हुए पदाधिकारियों में विशेष रुप से चौक रामलीला के कन्हैया अग्रवाल ने चौक से रिकाबगंज मुख्य मार्ग की बदहाली, साहबगंज रामलीला के अशोक सिंह ने रामलीला मैदान साहबगंज के क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग मार्ग, कोठापार्चा रामलीला के सिद्धार्थ महान ने कोठापार्चा की क्षतिग्रस्त सड़क, हैदरगंज रामलीला के श्री राजन गुप्ता ने हैदरगंज रामलीला स्थल के क्षतिग्रस्त इंटरलॉकिंग मार्ग और वजीरगंज जप्ती रामलीला के रविंद्र ने रामलीला स्थल पर बड़े–बड़े गड्ढे और जलभराव की समस्या को प्रशासन के समक्ष रखा ।

बैठक के अंत में केंद्रीय समिति के अध्यक्ष मनोज जायसवाल ने प्रशासनिक अधिकारियों से यथाशीघ्र ही राम वन–गमन मार्ग और भगवान श्रीराम की शोभा यात्रा मार्ग का स्थलीय निरीक्षण करने का आग्रह किया, जिस पर प्रशासनिक अधिकारियों के साथ केंद्रीय समिति के एक प्रतिनिधिमंडल द्वारा संयुक्त निरीक्षण की योजना बनी। बैठक में क्षेत्राधिकारी नगर शैलेंद्र सिंह जल निगम के अभियंता शुक्ला जी, नगर निगम के अधिशासी अभियंता एम. नारायण झा तथा सफाई निरीक्षक राजेश वर्मा और देवी प्रसाद वर्मा के साथ केंद्रीय समिति के गगन जायसवाल, जे एन चतुर्वेदी, सुप्रीत कपूर, अतुल सिंह, अखिलेश पाठक, चंदन गुप्ता और रामलीला समितियों से अमित गुप्ता आशीष गुप्ता सुनील यादव सहित केंद्रीय समिति और रामलीला समितियों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

ब्यूटीशियन ने जहर खाकर दी जान

कानपुर। मकड़ीखेड़ा में ब्यूटीशियन ने जहर खाकर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वहीं,पति समेत चार पर दहेज हत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। मकड़ीखेड़ा के बालाजी पुरम में रहने वाले प्रशांत कटियार फतेहगढ़ जिला जेल में शिक्षक पद पर कार्यरत हैं। देर रात उनकी पत्नी पूजा (27) ने जहरीला पदार्थ खाकर जान दे दी।घटना के बाद ससुरालीजन घर छोड़कर फरार हो गए। मायके पक्ष के लोगों ने दहेज के लिए बेटी को प्रताड़ित करने का आरोप लगा हंगामा किया।कल्याणपुर थाना प्रभारी अजय कुमार सिंह ने बताया कि मृतका की मां गीता की तहरीर पर पति समेत चार के खिलाफ दहेज की रिपोर्ट दर्ज की गई है।

15 सितंबर से तहसीलों में ऑनलाइन कार्य बहिष्कार करेंगे लेखपाल

कानपुर। आय,जाति और निवास प्रमाण पत्र की जांच के बदले मिलने वाले पांच रुपए तीन साल से नहीं मिलने पर लेखपाल15 सितंबर से तहसीलों में ऑनलाइन कार्य बहिष्कार करेंगे। उप्र लेखपाल संघ कानपुर के जिलाध्यक्ष नरेंद्र कुमार तिवारी व मंत्री कृष्ण कुमार मिश्रा ने सदर तहसील कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि लेखपालों को डोंगल डाटा कार्ड का1600 रुपए, स्मार्ट फोन डाटा के लिए 1000, लैपटॉप इंटरनेट के लिए 251 रुपए प्रति माह का भुगतान पांच फरवरी 2019 से नहीं किया गया है।

गेट में आवेदन की प्रक्रिया शुरू

कानपुर। देश के प्रतिष्ठित आईआईटी में मास्टर डिग्री में दाखिले के लिए होने वाली प्रवेश परीक्षा गेट में आवेदन की प्रक्रिया शुरू हो गई है।परीक्षा आईआईटी कानपुर आयोजित कर रहा है। आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर है। परीक्षा का प्रवेश पत्र तीन जनवरी 2023 से अपलोड होना शुरू हो जाएगा। परीक्षा चार, पांच, 11 व 12 फरवरी 2023 को होगी।रिजल्ट16 मार्च को जारी होगा।

राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत टीबी फोरम की बैठक सम्पन्न

उन्नाव। मुख्य विकास अधिकारी दिव्यांशु पटेल की अध्यक्षता में राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट स्थित पन्नलाल सभागार में जिला टीबी फोरम की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में भारत सरकार एवं राज्य सरकार के मंशानुरूप क्षय रोग के प्रभावी उन्मूलन के उद्देश्य से लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु किये जा रहे कार्यों यथा. टीबी नोटिफिकेशन आदि के संबंध में जानकारी दी गयी। इसके साथ .साथ क्षय रोगियों को गोद लिये जाने की समीक्षा भी की गयी। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा क्षय रोगियों को गोद लेकर पोषण आहार प्रदान किया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ सत्य प्रकाश, क्षय उन्मूलन विभाग से के पी सिंह, विनोद कुमार यादव, जिला कार्यक्रम समन्वयक बृज नन्दन मिश्र, जिला पीपीएम समन्वयक धीरज कुमार, शिव चंद्र, अमित द्विवेदी, मयंक सिंह, नेहा श्रीवास्तव एवं जनपद के टीबी यूनिट पर कार्यरत कर्मचारीगण मौजूद रहे।

भाजपा कार्यालय पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक का किया गया स्वागत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। एक दिवसीय जनपद दौरे पर पहुंचे उप मुख्यमंत्री,चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक का भाजपा

कार्यालय अटल भवन पर भव्य स्वागत किया गया। उपमुख्यमंत्री बनने के बाद ये उनका पहला दौरा था। जिला प्रभारी त्रयंबक तिवारी,भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष राकेश सिंह,पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह,सदर विधायक पल्टूराम,तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला,उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा,पूर्व सांसद जिला पंचायत अध्यक्ष श्रावस्ती दहन मिश्रा,जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी,पूर्व विधायक गैसड़ी शैलेष कुमार सिंह शैलू,सहित तमाम भाजपा पदाधिकारियों,ब्लाक प्रमुखों व कार्यकर्ताओं द्वारा पार्टी कार्यालय अटल पर बुके व स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया गया। कार्यकर्ताओं के साथ बैठक में उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने विधानसभा चुनाव में घर घर जाकर विपक्षी दलों के मंसूबों पर पानी फेर दिया। चुनाव में विपक्षी दल द्वारा तरह तरह के हथकंडे अपनाए गए लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर जनता ने भरोसा किया और प्रचंड बहुमत से हमारी सरकार ने प्रदेश में वापसी की । भारतीय जनता पार्टी के वोटों का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। हमने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानववाद को अपनाया है और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के लिए कार्य किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश में कानून का राज स्थापित हुआ है आज गुंडे माफिया जेलों में है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चिकित्सा के क्षेत्र में काफी कार्य हुआ है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में तेजी से मेडिकल कॉलेज का निर्माण चल रहा है इससे आने वाले दिनों प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन होगा और आम जनमानस को इसका फायदा मिलेगा। उप मुख्यमंत्री ने संयुक्त जिला चिकित्सालय का दौरा किया और अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल कॉलेज,सेटेलाइट सेंटर के चल रहे निर्माण कार्य का भी निरीक्षण किया और जिला कलेक्ट्रेट में अधिकारियों के साथ जनपद के विकास कार्यों की समीक्षा बैठक भी की ।

दुनिया में एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा भारत : नरेन्द्र सिंह तोमर

गोसाईगंज–अयोध्या। 2019 के चुनाव में अंबेडकर नगर लोक सभा सीट भारतीय जनता पार्टी नहीं जीत पाई, ऐसे ही कई सीट है जिसपर भारतीय जनता पार्टी चुनाव हारी उन पर भाजपा ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। अपने 2 दिन के प्रवास के दौरान हमने कार्यकर्ता, पदाधिकारी, जनता, किसान आदि लोगों से बात किया और उनका उत्साह देखकर के विश्वास हो गया कि इस बार अंबेडकर नगर लोकसभा में कमल खिल के रहेगा। उक्त बातें लोकसभा प्रवास योजना के तहत भारत सरकार में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने गोसाईगंज कस्बे के रामबली स्कूल के पटेल हाल में सहकारी समितियों, स्वयं सहायता समूह, व्यवसायिक समुदाय एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ बैठक के दौरान व्यक्त किया। केंद्रीय मंत्री ने कहाकि सौभाग्य है कि प्रदेश में योगी और देश में मोदी की सरकार है। ये दोनों नेता ऐसे हैं जिन पर जनता पूरा विश्वास करती है। इनके पास अपना कुछ भी नहीं है, जो है वह देश हित के लिए है। जिनकी बदौलत आज भारत पूरी दुनिया में एक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है। मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश का विकास हर प्रकार से हो रहा है।

आज भारत दुनिया में तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में शामिल हो गया है। आज दुनिया का कोई भी देश भारत को नजरअंदाज करने की स्थिति में नहीं है। इससे पूर्व उन्होंने श्रृंगी ऋषि आश्रम पर पहुंचकर दर्शन पूजन कर पौधरोपण किया। कार्यक्रम में सांसद लल्लू सिंह, एमएलसी हरिओम पांडे, जिला अध्यक्ष संजीव सिंह, अंबेडकर नगर जिला अध्यक्ष मिथिलेश त्रिपाठी, पूर्व मंत्री धर्मराज निषाद, अवधेश पांडे बादल, सियाराम वर्मा, कमला शंकर पांडे, दान बहादुर सिंह,उमेशप्रताप सिंह, राममोहन भारती,अमर बहादुर सिंह गुड्डू, शत्रुहन मोदनवाल,डा. विजयलक्ष्मी जायसवाल, प्रदीप जायसवाल, शेखार जायसवाल,अशोक कसौधन, प्रसूनलता,विनीता मोदनवाल, सहित काफी लोग मौजूद रहे।

बेटे की मौत के मामले में पिता ने पुत्रबधू के खिलाफ दर्ज करायी हत्या की एफआईआर

फिरोजाबाद(आरएनएस)।जनपद में एक नवविवाहित युवक की रविवार की रात हुयी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत के मामले में एक नया मोड़ आ गया है।मृतक की पत्नी ने इस पति की मौत को खुदकुशी बताया था तो मृतक के पिता ने रात अपनी पुत्रबधू के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कराया है।रामगढ थाना क्षेत्र के मोहल्ला सरजीवन नगर निवासी देवेंद्र कुमार 22 वर्ष अर्जुन सिंह की रविवार की रात में संदिग्ध हालत में मौत हो गई थी.मृतक का शव जमीन पर पड़ा था जबकि फांसी का फंदा पंखे ले लटका था.मृतक के पिता के मुताबिक देवेंद्र के सिर पर चोट के भी निशान थे। देवेंद्र की शादी चार माह पहले ही रिचा नामक महिला से हुयी थी।इधर देवेंद्र की मौत के बाद मृतक की पत्नी रिचा के शोर मचाने पर परिजन जाग गए।

कमरे के अंदर जमीन पर युवक का शव देख परिजन हैरत में पड़ गए. परिवार में कोहराम मच गया।रिचा ने परिजनों के बताया कि देवेंद्र ने खुदकुशी कर ली है। देवेंद्र के पिता को कुछ गड़बड़ लगा और उन्होंने पुलिस को मामले की जानकारी दी।पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा था।मृतक के पिता अर्जुन सिंह ने बताया कि देवेंद्र पत्नी रिचा के साथ कमरे में सो रहा था. रात करीब तीन बजे रिचा के चीखने की आवाज सुनकर वह छत से नीचे आए और रिचा से कमरा खुलवाया। कमरे के अंदर देवेंद्र का शव जमीन पर पड़ा था।

उसके सिर और माथे पर चोट लगी थी। 4 महीने पहले ही उसकी शादी हुई थी।2 महीने से पत्नी मायके में ही थी। कुछ दिन पहले ही ससुराल आई है।इस मामले में रात मृतक के पिता अर्जुन सिंह की तहरीर पर मृतक की पत्नी रिचा के खिलाफ हत्या की एफआईआर दर्ज करायी गयी है।थानाध्यक्ष रामगढ़ हरवेंद्र मिश्रा का कहना है कि अर्जुन सिंह की तहरीर पर रिचा के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया गया है। मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

फास्ट टैग रिचार्ज के नाम पर 50 हजार की ठगी

कानपुर। बरसाइत पुर के युवक से फास्टैग रिचार्ज के नाम पर शातिर ने 50 हजार की साइबर ठगी कर दी।

विनीत कुमार ने फास्टैग रिचार्ज करने को कस्टमर केयर नंबर पर संपर्क किया था। बातचीत के दौरान शातिर ने उनसे कार और बैंक खाते की डिटेल ले ली।

इसे देते ही विनीत के यूनियन बैंक के बचत खाते से 50 हजार की रकम पार हो गई। कल्याणपुर थाना प्रभारी ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

रोजगार मेला में हुआ 54 प्रतिभागियों का चयन

उन्नाव। जिला रोजगार सहायता अधिकारी ने बताया कि जिला सेवायोजन कार्यालय द्वारा माह अगस्त 2022 का दूसरा रोजगार मेला जिला सेवायोजन कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि मेले में ब्राइट फ्यूचर आर्गेनिक हर्बल्स, आर्युवेदिक प्रा0लि0 द्वारा जिला ब्लाक तथा क्लस्टर हेड, पंकज इण्टरप्राइजेज द्वारा प्रमोटर पदों हेतु कुल 183 प्रतिभागियों का साक्षात्कार कर कुल 54 प्रतिभागियों का चयन किया गया।

चोरी के 7 मोबाइल बरामद,शातिर गिरफ्तार

कानपुर। शातिर अपराधियों के खिलाफ आउटर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के क्रम में थाना बिधनू पुलिस ने एक शातिर अभियुक्त को दबोचा है। अभियुक्त के पास से चोरी के सात मोबाइल भी बरामद हुए हैं। घटनाक्रम के मुताबिक थाना बिधनू की चौकी न्यू आजाद नगर क्षेत्र में सुबह 6.30 बजे गैलेक्सी होटल के पास से एक शातिर अभियुक्त को पुलिस ने दबोचा। अभियुक्त की पहचान राजा पुत्र अब्दुल इस्तिखार निवासी मोहल्ला चिडीमार थाना बाबूपुरवा के रूप में हुई।

विभिन्न समस्याओं को लेकर ग्राम प्रधानों ने थानाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा की अगुवाई में थानाक्षेत्र के सभी प्रधानों एवं प्रधान प्रतिनिधियों की उपस्थिति में नवागत थानाध्यक्ष पंकज पाण्डेय के साथ थाना परिसर में बैठक की गई। बैठक का प्रमुख उद्देश्य सभी ग्राम प्रधानों का एक दूसरे से परिचय का रहा, ताकि क्षेत्र की प्रमुख समस्याओं को लेकर किसी तरह कि विसंगतियां न रहे। बैठक को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा ने कहा कि सभी प्रधानों को जनप्रतिनिधि मानते हुए थाना परिसर में उचित व्यवस्था की जाए। ग्राम पंचायत की बैठक में चौकीदारों की उपस्थिति हो आदि मुद्दों को लेकर प्रमुखता से बात की। बैठक को संबोधित करते हुए नीरज सिंह ने कहा जिस उद्देश्य और जोश के साथ हमने हर घर पर तिरंगा लगाया था, उसी जोश और सम्मान के साथ उसे सुरक्षित रखे ताकि किसी भी परिस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज का अपमान न हो। नवागत थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर पंकज पाण्डेय ने कहा कि सभी ग्राम प्रधानों के सम्मान पर आँच नही आने पाएगी, उचित और पारदर्शी पैरवी पर नियमानुसार कार्यवाही होगी। क्षेत्र में अपराध पर अंकुश लगाने के लिए थानाक्षेत्र के सभी ग्राम प्रधानों के सहयोग की अपेक्षा है। इसके साथ ही बैठक को ब्लाक अध्यक्ष जफर आलम, प्रधान प्रतिनिधि शिवशंकर चौधरी ने संबोधित किया। इसी कड़ी में सभी ग्राम प्रधानों एवं प्रधान प्रतिनिधियों ने नवागत इंस्पेक्टर पंकज पाण्डेय को भगवान बुद्ध और देवी देवताओं के चित्रदेकर उन्हें सम्मानित भी किया। इस दौरान प्रधान संगठन जिलाध्यक्ष डॉ पवन मिश्रा, अश्वनी चौबे, ओमप्रकाश जायसवाल, शिवलाल प्रजापति, सुनील सिंह, रविन्द्र कुमार उर्फ लालू यादव, सुनील यादव, कैलास प्रसाद, धर्मबीर, सुभाष चंद यादव, अजय चौधरी, अशोक अग्रहरि, अनिल पाण्डेय, करम हुसैन, अजय चौधरी दत्तपुर, विनोद कुमार शर्मा, बबलू चौबे, करीम खान, पवन कुमार, विनय चौधरी, जफर आलम, सुभाष यादव, सिकंदर यादव, महेंद्र प्रताप यादव, नीतीश कुमार उर्फ शिवा तिवारी, पिंटू पटेल, राजेन्द्र पाल, राममिलन चौधरी, पप्पू गुप्ता मकडौर शोहरतगढ़, राजेश कुमार चौरसिया, राजनेत चौरसिया, नसीम अहमद, सद्दाम भाई, अताउल्लाह मदनी, रविन्द्र कुमार शर्मा, शौकिलाल, मोबस्सीर हुसैन, अवनीन्द्र चौधरी, सद्दाम खान, शिवशंकर चौधरी, रामप्रसाद, अब्दुल अजीज, बृजभान यादव, इबरार अली, रामधारी प्रसाद त्यागी, महेंद्र प्रताप चौधरी, शैलेश कुमार, जावेद अहमद, मो असीम उर्फ नैय्यर, रामु साहनी के साथ उपनिरीक्षक मनोज कुमार श्रीवास्तव आदि मौजूद।

ऋषभ सिंह बने टीम मोदी सपोर्टर संघ के प्रदेश महामंत्री (युवा प्रकोष्ठ)

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ/सिद्धार्थनगर। विभिन्न संगठनों में ब्लॉक स्तर से लेकर जिला स्तर तक संगठन द्वारा दिए गए दायित्वों का निर्वहन कर चुके हियुवा नेता ऋषभ सिंह को टीम मोदी सपोर्टर संघ का प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ बनाया गया है। इसके पहले वे हियुवा शोहरतगढ़ ब्लॉक संयोजक, शोहरतगढ़ ब्लॉक संयोजक आई टी सेल व नमो नमो मोर्चा जिलाध्यक्ष भी रहे। उन्होंने हियुवा के बैनर तले जिला पंचायत सदस्य का चुनाव लड़ा हालांकि वे जिला पंचायत सदस्य चुनाव को फाइट नही कर पाए। इसी बीच हियुवा के

राष्ट्रीय अध्यक्ष यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नाथ द्वारा हियुवा की प्रदेश कार्यकारिणी भंग कर दी। कार्यकारिणी भंग

- **टीम मोदी सपोर्टर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय करन सिंह ने किया मनोनीत**
- **हियुवा नेता रहे ऋषभ सिंह को दी गयी थी विभिन्न पदों की जिम्मेदारी**

होने बाद टीम मोदी सपोर्टर संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष जय करन सिंह राठौर द्वारा उन्हें प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ बनाया गया।साक्षात्कार के दौरान ऋषभ सिंह (प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ) ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जय करन सिंह ने जो जिम्मेदारी दी है उनका निर्वहन करूंगा। साथ ही केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं को जन जन तक पहुँचाऊँगा। उन्होंने हियुवा के भंग कार्यकारिणी पर खेद प्रकट करते हुए कहा कि कार्यकारिणी भंग होने से लोग अन्य संगठनों से जुड़ेंगे, इसे कोई रोक नही पायेगा। प्रदेश महामंत्री युवा प्रकोष्ठ बनने पर क्षेत्र के गुड्डू, दीपक सिंह, लवकुश गौड़, प्रेम कुमार, विनोद, कुंवर प्रताप सिंह, संजय आदि ने बधाई दी है।

विकास खण्ड उसका के सीनियर बाबू श्याम सुंदर हुए रिटायर’

खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि सीनियर बाबू से बहुत कुछ सीखने को मिली

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार । उसका ब्लॉक के सभागार में सीनियर बाबू श्याम सुंदर को कल बुधवार को खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार ने रिटायरी लेटर देकर कहा की जब से उसका ब्लॉक में आए है तभी से सीनियर बाबू से बहुत कुछ सीखने को मिली और कुछ हम भी बताते रहे सीनियर बाबू लगभग 20 साल से कार्यरत है वही संतोष गुप्ता ने सीनियर बाबू को बधाई भी दिए और बोलते बोलते भावुक हो उठे और कहे की रिटायरी शब्द बहुत ही दुखी शब्द होता है एपीओ सत्य प्रकाश वर्मा ने कहा कि मुझे 3 वर्ष हो गए है सीनियर बाबू बहुत ही लगन से कार्य करते थे सीनियर

बाबू श्याम सुंदर ने कहा कि जब से नौकरी कर रहे है तब से किसी से बिगाड़ नहीं हुआ और लोग विकास खण्ड में कार्यरत कर्मचारी सहयोग ही करते थे खण्ड विकास अधिकारी संजय कुमार ने कहा कि सम्मान पूर्वक रिटायर होना उसके कैरियर में कोई भी दाग न लगा हो स्वच्छ पूर्वक और सम्मान पूर्वक रिटायर होना चाहता है सीनियर बाबू के तरफ से खण्ड विकास अधिकारी ने धन्यवाद किया है इस विकास खण्ड की गरिमा को बनाए रखेंगे इसलिए आप सभी से अपेक्षा है की जो भी योजना आए उसमे लगन से काम करे और कहे की सीनियर बाबू का सम्मान पूर्वक विदाई समारोह 2 सितंबर 1 बजे होगा और कहे कि सभी ग्राम विकास अधिकारी और ग्राम प्रधान पहुंचकर सीनियर बाबू का विदाई किया जाएगा। इस मौके पर एपीओ सत्य प्रकाश वर्मा , एनआरपी, ग्राम विकास अधिकारी शैलेंद्र गुप्ता, अलका वर्मा,कृतिका पांडेय, सदानंदन , अखिलेश , राहुल, मनोज , ग्राम प्रधान आदि लोग रहे मौजूद

मनरेगा 60-40 के अनुपात को लेकर शख्त हुए विधायक विनय वर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ व बढ़नी ब्लॉक में खण्ड विकास अधिकारी रहे सतीश सिंह की अब मुश्किलें बढ़ने लगी है।उन पर आरोप है कि वे मनरेगा के 60–40 के अनुपात को ताख पर रखकर भुगतान किया है। जिसको लेकर शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा ने बीते 05 जुलाई को मुख्य विकास अधिकारी को संबोधित पत्र लिखा था, जिस पर उन्होंने 4 वरिष्ठ अधिकारियों की एक टीम गठित करके भुगतान संबंधी जांच कराई जा रही है। जनपद के शोहरतगढ़, बढ़नी, इटवा, बर्डपुर, नौगढ़ खण्ड विकास अधिकारियों को पत्र लिखकर विधायक विनय वर्मा ने यह स्पष्ट कहा है वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के जीरो टॉलरेंस और भ्रष्टाचार मुक्त नीति के अनुपालन में कार्यवाही कर रहे है। पत्र में विधायक विनय वर्मा ने लिखा कि शोहरतगढ़ व बढ़नी खण्ड विकास अधिकारी रहे सतीश सिंह द्वारा मनरेगा के 60रू40 प्रतिशत के अनुपात का

अनुपालन नहीं किया गया। जब तक शोहरतगढ़ व बढ़नी में खण्ड विकास अधिकारी रहे सतीश सिंह द्वारा किये गए सभी भुगतान की जाँच नही हो जाती तब तक मानक के विपरीत कोई भी भुगतान न किया जाए। बताते चले कि वर्तमान समय मे सतीश कुमार सिंह मिठवल व जोगिया ब्लॉक के खण्ड विकास अधिकारी का प्रभार है।

बताते चले कि शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा द्वारा मुख्य विकास अधिकारी को संबोधित पत्र 5 जुलाई को लिखने बाद बढ़नी प्रधान संगठन ब्लॉक अध्यक्ष बबलू चौबे ने उन्हें 6 जुलाई को एक पत्र दिया था, जिसमे उन्होंने विधायक विनय वर्मा से शिकायती प्रार्थना पत्र वापस लेने की बात कही थी, उन्होंने यह भी लिखा था कि हम सभी ग्राम प्रधान भाजपा और भाजपा समर्थित पार्टियों को सपोर्ट करते है। जिस पर विधायक विनय वर्मा ने मुख्य विकास अधिकारी को संबोधित पत्र में यह भी कहा कि विभागीय कर्मचारियों द्वारा मेरे शिकायत पत्रों की गोपनीयता भंग की जाती है, जब मैंने आपके कार्यालय को पत्र प्रेषित किया तो उसकी जानकारी अन्य संगठन को कैसे हो जाती है, इसकी भी जाँच नितान्त आवश्यक है।

तीन दिवसीय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता शिविर का हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। तिलक इंटर कॉलेज, बंसीमें २६ से ३१ अगस्त 2022 तक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित तीन दिवसीय स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता शिविर का समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में साफ पेयजल, व्यक्तिगत स्वच्छता, अथवा अपने आस पास की सफाई से जुड़े सवालों और गलतफहमियों को समझाया गया। बच्चों को अपने दिनचर्या में सही आदतों का पालन जिसमे सही तरीके से हाथ धोना मुख्य है, इसको न करने से अनेकों बीमारियाँ पनपती हैं, आदि विषयों के बारे में छात्रों को

जागरूक किया गया। तीन दिवसीय प्रशिक्षण में शौचालय स्वच्छता एवं उसके रख रखाव से संबंधित रोचक क्रीड़ा का आयोजन भी करवाया गया। इस प्रस्तुति में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित परस्पर संवादात्मक एवं दिलचस्प गतिविधियां कराई गई। तीन दिवसीय प्रशिक्षण के अंतिम दिन ६४ छात्र छात्राओं के लिए एक पोस्टर प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले कुल दस बच्चों को हेल्थ एवं वेलनेस एनिमेटर के तौर पर चुना गया। इन दस छात्र छात्राओं को नेतृत्व विकास कार्यशाला में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता से संबंधित दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। इस प्रशिक्षण से हेल्थ एण्ड वेलनेस एनिमेटर अपने विद्यालय में स्वास्थ्य एवं स्वच्छता संबंधित विषयों पर समाज एवं विद्यालय के छात्रों को जागरूक करते रहेंगे। प्रधानाचार्य ने कहा कि भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग एवं जनार्दन प्रसाद मेमोरियल बहुउद्देशीय सामाजिक सेवा संस्थान की तरफ से आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण में छात्र छात्राओं को कई जानकारियाँ प्राप्त हुई। इस जानकारी को छात्र छात्राओं को अपने जीवन मे उतारना चाहिए। प्रधानाचार्य ने जे पी एम सोसाइटी और प्रगति गुप्ता (जिला परियोजना समन्वयक) का आयोजन करने के लिए अभिवादन किया और शुभकामनाएं दी। प्रशिक्षण का संचालन करते हुए प्रगति गुप्ता ने सभी अध्यापकों, विद्यालय प्रबंधनको और प्रधानाचार्य का अभिवादन किया। इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक संचालित करने में प्रतीक्षा ओझा (ब्लॉक प्रोग्राम कोऑर्डनैटर)विशेष सहयोग रहा।

तीन दिवसीय टीएलम निर्माण कार्यशाला का हुआ समापन

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बांसी सिद्धार्थनगर में संपन्न हुआ कार्यशाला।

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। पूर्व प्राथमिक शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद

स्तरीय तीन दिवसीय टीएलम निर्माण कार्यशाला का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बांसी में राम मूरत, उप शिक्षा निदेशक) समन्वयक तथा उपेन्द्र कुमार सह–समन्वयक के निर्देशन में सकुशल सम्पन्न हुआ। जिसमे विकासखंड बांसी, जोगिया, शोहरतगढ़, खुनियांव एवं लोटन के नोडल शिक्षक संकुलों के द्वारा प्रतिभाग किया गया। ये प्रतिभागी ब्लॉक लेवल मास्टर ट्रेनर के रूप में अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करेंगे। बिगत तीन दिवसों में विभिन्न विषयों के शिक्षण अधिगम की सहायक सामग्री का निर्माण व उसका प्रदर्शन किया गया।उपरोक्त कार्यक्रम में संदर्भदाता के रूप में एसआरजी अपूर्व कुमार श्रीवास्तव एवं एआरपी अरविंद कुमार ने प्रत्येक सत्र का संचालन कुशलता पूर्वक किया। उपरोक्त कार्यक्रम का आयोजन सेवारत शिक्षक प्रशिक्षण विभाग के अंतर्गत विभाग प्रभारीध सदस्य सतीश कुमार धवन प्रवक्ता, डॉ. प्रतिभा सिंह ,अनुराग कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं समस्त डायट प्रवक्ताओं के सहयोग से आयोजित हुआ।

जिलाधिकारी संजीव रंजन ने एलबीसी ओम प्रकाश गिरी को दी विदाई

अधिवर्षता आयु पूर्ण करने एवम नई पारी की शुरुआत के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमाशंकर,उप जिलाधिकारी नौगढ़ श्री प्रदीप कुमार यादव, अपर उप जिलाधिकारी संत कुमार की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में एलबीसी ओम प्रकाश गिरी का विदाई समारोह संपन्न हुआ । इस अवसर पर जिलाधिकारी संजीव रंजन ने ओम प्रकाश गिरी को अपनी अधिवर्षता आयु पूर्ण करने एवम नई पारी की शुरुआत के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दी। जिलाधिकारी ने कहा कि एलबीसी अपने कार्यों के प्रति सदैव तत्पर रहते थे और उसको समय से पूर्ण करते थे। इनके प्रति किसी का कोई शिकायत नहीं था। जिलाधिकारी द्वारा एलबीसी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना की गई।विदाई समारोह के अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमाशंकर, उप जिलाधिकारी नौगढ़ प्रदीप कुमार यादव, अध्यक्ष, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ प्रेम सागर चौधरी, ओम प्रकाश पांडेय, नाजिर कलेक्ट्रेट गिरीश चंद्र मिश्रा द्वारा अपने विचार व्यक्त किए गए। इसके पश्चात जिलाधिकारी श्री संजीव रंजन द्वारा एलबीसी ओम प्रकाश गिरी को माला पहनाकर, बुके व अंग वस्त्र प्रदान किया गया । जिलाधिकारी द्वारा ओम प्रकाश गिरी के भुगतान हेतु देयको का प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। इसी क्रम में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा भी बुके व अंग वस्त्र प्रदान किया गया । कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के पदाधिकारी गण द्वारा बुके वह माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अधिशासी अधिकारीगण, कलेक्ट्रेट कर्मचारी संघ के अन्य पदाधिकारीगण व कलेक्ट्रेट के कर्मचारी गण उपस्थित थे।

सम्पादकीय

इस समूह के बाकी बड़े नेताओं में भूपेंदर सिंह हुड्डा को हरियाणा की कमान मिल गई है और मुकुल वासनिक को भी राज्यसभा मिल गई है। सो, जी–23 का अब कोई खास मतलब नहीं है। जी–23 समूह के बचे खुचे नेताओं को भी राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने में कोई आपत्ति नहीं है। यह लगभग तय है कि ...

राहुल को अध्यक्ष बनाने पर अड़े नेता

कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम जारी हो गया है और इसके साथ ही तेज हो गया है राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने का अभियान। कांग्रेस के सारे नेता अलग अलग कारणों से राहुल को अध्यक्ष बनाने पर अड़े हैं। एक तरफ राहुल हैं, जिन्होंने साफ कर दिया है कि वे अध्यक्ष नहीं बनेंगे, पार्टी चाहे जिसे बनाए। दूसरी ओर कांग्रेस के नेता हैं, जो इस बात पर अड़े हैं कि चाहे कुछ हो जाए राहुल ही अध्यक्ष बनेंगे। इस प्रयास को जारी रखने के लिए कांग्रेस नेताओं को एक महीने का समय और मिल गया है। पहले 20 अगस्त से 21 सितंबर के बीच अध्यक्ष का चुनाव होना था पर अब 21 सितंबर से 17 अक्टूबर के बीच होगा। सो, कांग्रेस के नेता 24 सितंबर तक राहुल पर दबाव बनाते रहेंगे। अध्यक्ष के चुनाव का कार्यक्रम तय करने के लिए रविवार को कार्य समिति की ऑनलाइन बैठक हुई तो उसमें लगभग सभी नेताओं ने राहुल गांधी को अध्यक्ष बनाने की बात कही। कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ और बुजुर्ग नेताओं में से एक मल्लिकार्जुन खडगे ने कहा कि राहुल गांधी अध्यक्ष बनें, पूरी पार्टी उनके पीछे खड़ी है। दूसरे वरिष्ठ और बुजुर्ग नेता अशोक गहलोत ने भी यह बात दोहराई कि राहुल अध्यक्ष बनें। तीसरे वरिष्ठ और बुजुर्ग नेता सलमान खुर्शीद ने भी कहा कि राहुल को अध्यक्ष बनना चाहिए। सोचें, एक तरफ गुलाम नबी आजाद कह रहे हैं कि राहुल के पार्टी की कमान संभालने के बाद वरिष्ठ नेताओं से सलाह–मशविरा करने का सिस्टम खत्म हो गया तो दूसरी ओर पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल के पीछे एकजुट हो रहे हैं! पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में से एक पृथ्वीराज चव्हाण ने जरूर कहा है कि अगर राहुल अध्यक्ष बनने को तैयार नहीं होते हैं तो चुनाव करा कर किसी को चुना जाए। ध्यान रहे चव्हाण जी–23 समूह के नेता हैं, जिन्होंने संगठन चुनावों को लेकर सोनिया गांधी को चिट्ठी लिखी थी। इस समूह के नेता एक–एक करके कांग्रेस से दूर हो रहे हैं। गुलाम नबी आजाद ने पार्टी छोड़ दी है और कपिल सिब्बल समाजवादी पार्टी के समर्थन से राज्यसभा में जाने के बाद कांग्रेस से अलग ही हो गए हैं। मनीष तिवारी ने अपने को कांग्रेस में हिस्सेदार बता कर किराएदार वाली हैसियत भी गंवा दी है। इस समूह के बाकी बड़े नेताओं में भूपेंदर सिंह हुड्डा को हरियाणा की कमान मिल गई है और मुकुल वासनिक को भी राज्यसभा मिल गई है। सो, जी–23 का अब कोई खास मतलब नहीं है। जी–23 समूह के बचे खुचे नेताओं को भी राहुल गांधी के अध्यक्ष बनने में कोई आपत्ति नहीं है। यह लगभग तय है कि राहुल हां करते हैं तो उनका कोई विरोध नहीं होगा। उनके खिलाफ चुनाव लडना तो दूर सब उनके नाम का स्वागत करेंगे। वे पिछली बार की तरह निर्विरोध चुने जाएंगे। जयराम रमेश ने कहा है कि कोई भी अध्यक्ष पद के लिए नामांकन कर सकता है। लेकिन वह तब होगा, जब परिवार के बाहर का कोई व्यक्ति चुनाव लड़ेंगे। राहुल लड़ेंगे तो कोई नामांकन नहीं होगा।

गुलाम नबीः सोनिया बचाए कांग्रेस को

वेद प्रताप वैदिक

कश्मीरी नेता गुलाम नबी आजाद का कांग्रेस को छोड़ देना कोई नई बात नहीं है। उनके पहले शरद पवार और ममता बेनर्जी जैसे कई नेता कांग्रेस छोड़ चुके हैं लेकिन गुलाम नबी का बाहर निकलना ऐसा लग रहा है, जैसे कांग्रेस का दम ही निकल जाएगा। कांग्रेस के कुछ छोटे–मोटे नेताओं ने गुलाम नबी आजाद के मोदीकरण की बात कही है, जो कुछ हद तक सही है, क्योंकि नरेंद्र मोदी ने बेहद भावुक होकर गुलाम नबी को राज्यसभा से विदाई दी थी। लेकिन कई अन्य कांग्रेसी नेताओं की तरह गुलाम नबी आजाद भाजपा में शामिल नहीं हो रहे हैं। वे अपनी पार्टी बनाएंगे, जो जम्मू–कश्मीर में ही सक्रिय रहेगी। वे कोई अखिल भारतीय पार्टी नहीं बना सकते। जब शरद पवार और ममता बेनर्जी नहीं बना सके तो गुलाम नबी के लिए तो यह असंभव ही है। यह हो सकता है कि वे अपने प्रांत में भाजपा के साथ हाथ मिलाकर चुनाव लड़ लें। सच्चाई तो यह है कि पिछले लगभग 50 साल से कांग्रेस एक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी की तरह काम कर रही है। कांग्रेस की देखादेखी सभी पार्टियां उसी ढर्रे पर चल पड़ी है। भाजपा भी उसका अपवाद नहीं है। गुलाम नबी आजाद वास्तव में अब आजाद हुए हैं। उन्होंने नबी की गुलामी कितनी की है, यह तो वे ही जानें लेकिन इंदिरा गांधी, संजय गांधी, राजीव गांधी और सोनिया गांधी की गुलामी में उनका पूरा राजनीतिक जीवन कटा है। मुझे खूब याद है, कांग्रेस में गुलाम–संस्कृति की! गुलाम नबी, जो आज आजादी का नारा लगा रहे हैं, संजय गांधी के साथ उनके रिश्तों पर अन्य कांग्रेसी नेताओं की टिप्पणियां पढने लायक हैं। जो नेता गुलाम नबी की निंदा कर रहे हैं, उनके दिल में भी एक गुलाम नबी धड़क रहा है लेकिन बेचारे लाचार हैं। राहुल गांधी के बारे में गुलाम नबी की टिप्पणियां नई नहीं हैं। देश की जनता और सारे कांग्रेसी पहले से वह सब जानते हैं। गांधी, नेहरु, पटेल और सुभाष बाबू की कांग्रेस अब नौकर–चाकर कांग्रेस (एन.सी. कांग्रेस) बन गई हैं। अब यदि अशोक गहलोत या कमलनाथ या चिदंबरम या किसी अन्य को भी कांग्रेस अध्यक्ष बना दिया जाए तो वह क्या कर लेगा? यह एक शेर उस पर भी लागू होगा– श्श्इश्के–बुतां में जिंदगी गुजर गई मोमिन, अब आखिरी वक्ख्त क्या खाक मुसलमां होंगे?च्च अब कांग्रेस को यदि कोई बचा सकता है तो वह एकमात्र सोनिया गांधी ही हैं। वे अपने बेटे को गृहस्थी बनाएं और अपनी बेटी को अपना गृहस्थ चलाने को कहें और पार्टी में ऊपर से नीचे तक चुनाव करवाकर खुद भी संन्यास ले लें। कांग्रेस की देखादेखी भारत की सभी पार्टियां श्ऊर्ध्वमूल्च बन गई हैं याने उनके जड़ें छत में लगी हुई हैं। सोनियाजी यदि कांग्रेस को श्अधोमूल्च बनवा दें याने उसकी जड़ें फिर से जमीन में लगवा दें तो भारत के लोकतंत्र की बड़ी सेवा हो जाएगी।

इराक में हिंसा

उनकी इस अपील का असर क्या पहले की तरह होता है, इसका पता जल्द ही चल जाएगा। लेकिन इराक एक बार फिर जिस तरह राजनैतिक उथल–पुथल के दौर में पहुंच गया है, वह न केवल इराकी जनता बल्कि समूची दुनिया के लिए चिंता की बात है। दुनिया के कई देशों में इस तरह की हिंसापूर्ण घटनाएं हो रही हैं और सरकारें अस्थिर हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसे हरेक मामले पर चिंता तो जाहिर करता है, ...

इराक एक बार फिर राजनैतिक अस्थिरता और हिंसा के मुहाने पर आकर खड़ा हो गया है। सोमवार को इराक के प्रभावशाली नेता और शिया धर्मगुरु मुक्तदा अल सदर ने जब ये ऐलान किया कि वे राजनीति छोड़ेंगे हालांकि उनके आंदोलन से जुड़े मजहबी संस्थान खुले रहेंगे तो उनके समर्थक सड़कों पर उतर आए। अमूमन ऐसा होता है कि अपने नेता की हार, उसे गलत तरीके से सत्ता से हटाने या उसके साथ हुए किसी किस्म के अन्याय के बाद उसके अनुयायी विरोध और हिंसा पर उतारू होते हैं। लेकिन इराक में अपने नेता के लिए समर्थन और समर्पण की एक नयी किस्म की मिसाल पेश की जा रही हैं। ऐसा क्यों हो रहा है, इसकी असल वजह शायद बाद में सामने आए। फिलहाल तो यही समझ आ रहा है कि मुक्तदा अल सदर के अनुयायी अब खुद को अकेला और दिशाहीन मान रहे हैं और इस बौखलाहट में वे सड़कों पर उतर आए हैं। मुक्तदा अल सदर ने इराक की राजनीति में इस निर्णायक भूमिका तक पहुंचने के लिए लंबा सफर तय किया है। उनके पिता मोहम्मद सादिक और ससुर मोहम्मद बाकिर दोनों इराक के प्रभावशाली धर्मगुरु थे। दोनों को ही सद्दाम हुसैन ने मार डाला था। 2003 में जब अमेरिका ने सद्दाम हुसैन को फांसी पर लटका दिया उसके बाद मुक्तदा अल सदर ने अल सदरिस्ट आंदोलन की शुरुआत की, जिसमें हजारों लोग उनके साथ जुड़े। अपने आंदोलन में उन्होंने एक सेना भी खड़ी की, पहले इसका नाम जैश अल–मेहदी या मेहदी की सेना था, बाद में इसे बदलकर सरया अल–सलाम यानी शांति ब्रिगेड कर दिया गया। बेरोजगारी, बिजली कटौती और भ्रष्टाचार के मुद्दों पर उन्होंने आम जनता के बड़े वर्ग को अपने साथ जोड़ लिया। इसका नतीजा इराक के चुनावों में नजर आया। अक्टूबर 2021 में हुए संसदीय चुनाव में उनकी पार्टी 73 सीटों के साथ सबसे आगे रही थी, लेकिन, 329 सीटों वाली इराकी संसद में सरकार बनाने के लिए 165 सीटें होना जरूरी है। और मौलाना सदर ने अन्य दलों के साथ काम करने से इनकार कर दिया, इस कारण गठबंधन सरकार का गठन नहीं हो सका और फिलहाल देश की कमान निवर्तमान प्रधानमंत्री मुस्तफा अल–कदीमी की सरकार के हाथों में है। इराक में पिछले 10 महीनों से न कोई राष्ट्राध्यक्ष है, न कोई मंत्रिमंडल। 2010 में भी इराक में ऐसी ही स्थिति बनी थी जब 289 दिनों के गतिरोध के बाद नूरी अल मलिकी दूसरी बार प्रधानमंत्री बने थे। लेकिन तब इस तरह की स्थिति नहीं बनी थी। इस बार विरोधी का विरोधी न होकर, समर्थन में विरोध का माहौल बना है, जो शायद एक तरह से मौलाना सदर का शक्ति परीक्षण है। सवाल ये है कि ये परीक्षण करवा कौन रहा है। क्या खुद मौलाना सदर इसके पीछे हैं या फिर किसी और तरह की अंतरराष्ट्रीय दखलंदाजी का रास्ता तैयार हो रहा है। गौरतलब है कि मुक्तदा सदर ईरान के विरोधी हैं, वे सद्दाम हुसैन के भी विरोधी रहे हैं, लेकिन अमेरिका के समर्थक वो नहीं हैं। 2003 में एक टीवी इंटरव्यू में उन्होंने कहा था, श्सद्दाम एक छोटा नाग था, लेकिन अमेरिका एक बड़ा नाग है।श् दुनिया ने देखा है कि उस वक्त किस तरह विनाशकारी हथियारों की तलाशी और बरामदगी के नाम पर अमेरिका ने इराक पर हमला किया था, सद्दाम हुसैन को इस के बाद मार डाला गया था। दूसरे देशों में अमेरिका की दखलंदाजी की साजिश से एक बार फिर पर्दा उठा था। हालांकि इराक को अमेरिका इसके बाद भी अपने तरह से नहीं चला सका। मुक्तदा सदर जैसे सद्दाम हुसैन के विरोधी इराक में मजबूत हुए, लेकिन वे अमेरिका के पिठ्ठू नहीं बने। इराक के घरेलू मामलों में अमेरिका और ईरान का दखल खत्म करने के लिए उन्होंने खुद को राष्ट्रवादी नेता के तौर पर पेश किया और जनता ने उनका साथ भी दिया। उनका जनता पर प्रभाव इतना है कि उनके आह्वान पर हजारों लोग सड़क पर आ सकते हैं और लौटने का आदेश देने पर लौट भी सकते हैं। इसका एक नमूना इसी जुलाई में देखने मिला था, जब उनके समर्थक संसद भवन में घुस गए थे। और जब मुक्तदा अल सदर ने अपील की कि वे सुरक्षित घर लौट जाएं, तो लोग लौट भी गए। लेकिन अब खुद मुक्तदा अल सदर ने कहा कि, श्श्मैंने पहले ही राजनीतिक मामलों में दखल न देने का फैसला लिया था, लेकिन अब मैं अपने रिटायरमेंट और सदर समर्थक आंदोलन से जुड़े सभी संस्थानों को बंद करने का ऐलान करता हूं।श्श इसके बाद ही इराक में कई शहरों में हिंसा भड़क उठी है। बताया जा रहा है कि उनकी शांति ब्रिगेड और इराक की सेना के बीच संघर्ष हो रहा है, जिसमें कम से कम 20 लोग मारे जा चुके हैं और कई घायल हुए हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए अंतरिम प्रधानमंत्री मुस्तफा अल–कदीमी ने मुक्तदा अल सदर से हिंसा रोकने के लिए दखल देने कहा, जिसके बाद मुक्ख्तदा अल–सद्र ने हिंसा रुकने और हथियारों के इस्तेमाल थमने तक उपवास करने का ऐलान किया है। उन्होंने अपने समर्थकों को संसद भवन के बाहर धरने से उठने और हिंसा रोकने के लिए 60 मिनट का वक्त देते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो वे समर्थकों और पार्टी दोनों को छोड़ देंगे। उनकी इस अपील का असर क्या पहले की तरह होता है, इसका पता जल्द ही चल जाएगा। लेकिन इराक एक बार फिर जिस तरह राजनैतिक उथल–पुथल के दौर में पहुंच गया है, वह न केवल इराकी जनता बल्कि समूची दुनिया के लिए चिंता की बात है। दुनिया के कई देशों में इस तरह की हिंसापूर्ण घटनाएं हो रही हैं और सरकारें अस्थिर हो रही हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ऐसे हरेक मामले पर चिंता तो जाहिर करता है, लेकिन उसका कोई प्रभाव नजर नहीं आ रहा है। शांति और स्थिरता के समर्थक सभी नेताओं और देशों को अब इस पर विचार करना चाहिए कि आखिर ऐसी उथल–पुथल से फायदा किसे होता है और कौन सी ताकतें इन राजनैतिक हलचलों के पीछे हैं।

कुछ लोगों के मन में इस कदर नफरत बैठा दी गयी है कि वे उनकी विचारधारा से अलग होने के कारण एक जगविख्यात इतिहासवेत्ता को श्गुंडाश कहने से भी परहेज नहीं करते। राम पुनवानी, इरफान हबीब, रोमिला थापर, रामचंद्र गुहा जैसे इतिहासकार सभी उनके निशाने पर हैं। मजेदार बात तो यह है कि इतिहास को तोड़ने–मरोड़ने का आरोप लगाने वाले लोगों में अधिकतर वे हैं जिन्होंने मिडिल स्कूल ...

इतिहास के आसमान में बुलबुल के परंवों की क्रांतिकारी फड़फड़ाहट?

डॉ. दीपक पाचपोर

भारत की स्वतंत्रता संग्राम की चमकदार विरासत में जिन्हें अंधकार नजर आता है वे देश के मूर्धन्य व विश्वप्रसिद्ध इतिहासकारों को वामपंथी विचारधारा से प्रभावित, पश्चिमपरस्त, हिन्दूविरोधी, देशविरोधी, राष्ट्रद्रोही सब कुछ कह डालते हैं क्योंकि ये विद्वान वस्तुस्थिति को कहते–लिखते आये हैं। कुछ लोगों के मन में इस कदर नफरत बैठा दी गयी है कि वे उनकी विचारधारा से अलग होने के कारण एक जगविख्यात इतिहासवेत्ता को श्गुंडाश कहने से भी परहेज नहीं करते। राम पुनवानी, इरफान हबीब, रोमिला थापर, रामचंद्र गुहा जैसे इतिहासकार सभी उनके निशाने पर हैं। आज भारत इतिहास लेखन के पुनर्लेखन व पुनर्पाठ के दौर में गुजर रहा है जिसके तहत श्वामपंथियों द्वारा लिखे गये कथित झूठे इतिहासश की गलतियां ठीक की जा रही हैं। इसके अंतर्गत भारत की वास्तविक आजादी और उसके कथित लीज पीरियड की तारीखों को रिसेट किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि कैसे हमारे 7 लाख से अधिक गुरुकुल नष्ट कर दिये गये और यह भी जानकारी दी जा रही है कि किस तरह से गांधी–नेहरू की जोड़ी ने भगत सिंह, नेताजी सुभाष चन्द्र बोस और सरदार पटेल के नेतृत्व को उभरने नहीं दिया। हमारा इतिहास जिस शीघ्रता से तथा विभिन्न आयामों के जरिये पुनर्परिभाषित हो रहा है उससे लगता है कि वह दिन दूर नहीं जब अगली पीढ़ियों को वह इतिहास सुनने और पढ़ने को मिलेगा जो अब तक उपलब्ध नहीं था। राजनीति एवं सत्ता की केन्द्रीय शक्ति में इतिहास नये सिरे से लिखने की उत्कंठा ऐसी तीव्र है कि वह स्वयं इस अभियान का नेतृत्व कर रही है। इतिहास के बिन्दु सामाजिक परिवर्तनों एवं घटनाक्रमों के ढेर से ही निकालने होते हैं, और जब इतिहास का उद्देश्य ज्ञानार्जन या समाज का गंभीर अध्ययन नहीं बल्कि सत्ता पाना अथवा बचाए रखना हो तो उस इतिहास का कबाड़ बनना तय है। अतीत की अनगिनत घटनाओं व चुनींदा परन्तु महत्वपूर्ण परिघटनाओं के ढेर से हर समझदार समाज एवं देश सामाजिक ऊर्जा का निर्माण करते हैं, लेकिन क्षुद्र उद्देश्यों से इतिहास का पढ़ना–पढ़ाना, उसे लिखना–लिखवाना, उसके निहितार्थ निकालना और किसी न किसी रूप में प्रसारित कर उसकी पुनरू प्रस्तुति एक राष्ट्रीय भंगार का ही निर्माण करती है। ऐतिहासिक घटनाक्रम अपनी गति एवं घटनाक्रमों से चलता है जिसमें विभिन्न कालखंडों में आने वाले कुछ पात्र अपने कर्तत्व से बदलाव लाते हैं। सैकड़ों साल के बाद तो क्या कहें, उस लम्हे के निकल जाने के बाद तुरन्त बाद भी जो पीढ़ियां आती हैं वे उसमें अपने मनमाफिक या उपयोग के लायक बदलाव नहीं कर सकतीं– चाहें तो भी। यह भी सच है कि किसी गौरवशाली इतिहास को भंगार बनाने से किसी स्वस्थ, वैज्ञानिक एवं आधुनिक समाज–देश–राष्ट्र का कतई निर्माण नहीं हो सकता। इतिहास को कबाड़ में परिवर्तित करने की अपनी अनवरत कोशिशों के चलते भारत की शीर्ष सत्ता न केवल देश के अंदर रहने वाली पढ़ी–लिखी जमात, बुद्धिजीवियों के बीच निराशा की भावना भर रही है बल्कि दुनिया भर में यहां से निकलकर पहुंचती खबरें भारत की छवि को हास्यास्पद बना रही हैं। मध्ययुगीन भारत चाहे पश्चिमी जगत में संपेरों, बाजीगरों और नट–नटनियों के देश के नाम से प्रचारित किया जाता रहा हो लेकिन 19वीं सदी का अंत आते–आते हमारे नवजागरण काल में आधुनिकता और वैज्ञानिकता को लेकर बहुत बड़ी चेतना का आगमन हुआ था, जिसे अशिक्षा, पिछड़ेपन, रुढ़िवादिता के बावजूद भारत ने बड़ी तेजी से अंगीकार किया था। इसका श्रेय हमारे तत्कालीन सामाजिक, राजनैतिक एवं बौद्धिक नेतृत्व को जाता है। गांधी ने जहां भारतीयता के साथ हमारी राजनीति में सम्प्रभुता, नागरिक स्वतंत्रता, बन्धुत्व और समानता के आधुनिक मूल्यों की स्थापना की थी, वहीं आजादी के लिये संघर्षरत अलग–अलग धाराओं के नेताओं में कॉमन फैक्टर यही था कि वे सारे आधुनिक बोध से सज्जित थे। मध्ययुगीन पिछड़ेपन से उपजे अंधविश्वासों, तत्कालीन धार्मिक–सामाजिक मान्यताओं या तथ्यों की तोड़–मरोड़ को कभी भी उन्होंने अपनी लड़ाई का हथियार नहीं बनाया था। वे जानते थे कि एक तिहाई दुनिया पर राज करने वाला औपनिवेशिक ब्रितानी साम्राज्य अपने काल का सबसे आधुनिक समाज है जिसका मुकाबला नवयुगीन व आधुनिक संस्कारों तथा मूल्यों से किया जा सकता है, और ऐसा ही किया भी गया। हमारे साहित्य एवं पत्रकारिता ने नवाचार एवं युगबोध को आवाज दी थी। ब्रिटिश प्रेस का मुकाबला भारतीयता के रंग में डूबी देशी पत्रकारिता ने किया, हिन्दी एवं भारतीय भाषाओं में श्रेष्ठ साहित्य रचा गया, पश्चिम की शोषणकारी अर्थव्यवस्था के मुकाबले स्वदेशी एवं गांवों की आत्मनिर्भरता की बात की गयी। इसे वक्त की तिर्यक रेखा ही कहा जा सकता है कि आजादी की ऐसी चौतन्य परम्परा से विकसित राष्ट्र का अमृत काल आते–आते हम इतिहास बोध की ऐसी गर्त में गिर जायेंगे, जिसकी किसी ने कल्पना तक न की होगी। आज इतिहास को तटस्थ, तार्किक, वैज्ञानिक, आधुनिक एवं गौरवयुक्त नजरिये से देखने की बजाय उसमें हिन्दू बनाम मुसलिम या इसाई के संघर्ष के विकसित किये जाने योग्य बीज ढूंढ़े जाते हैं। पिछले लगभग एक दशक से यह शिकायत एक तबके के द्वारा लगातार उठायी जाती है कि अब तक इतिहास को तोड़–मरोड़कर लिखा और बतलाया गया है। उनका आरोप है कि हिन्दू राजाओं की उपेक्षा कर केवल विदेशी शासकों का महिमा मंडन हुआ है। यह बात उन लोगों के द्वारा उठाई जाती है जो हर मुद्दे का उपयोग समाज को विभाजित करने में प्रवीण हैं। ये लोग ऐतिहासिक तथ्यों के विखंडनकारी बिन्दुओं को इस कदर तोड़–मरोड़कर अपने काडर या ट्रोल आर्मी के सैनिकों के बीच पेश कर देते हैं जिनके पास इतिहास तो क्या किसी भी विषय का तर्कसंगत और नवीनतम ज्ञान नहीं है। केवल सत्ता से उनकी नजदीकियां ही उनकी स्वीकार्यता व शक्तियों को बढ़ाती हैं। बाकी तो पढ़ने–लिखने के मामले में वहां शून्य बटे सन्नाटा है। पिछले दिनों एक छात्र नेता के शोध कार्य से यह बात सामने आई कि भारत 1947 में आजाद नहीं हुआ वरन उसे ब्रिटिशरों ने 99 साल की लीज पर दिया हुआ है। इसके कुछ ही दिनों बाद वाट्सएप विश्वविद्यालय की एक अभिनेत्री स्कॉलर ने सनसनीखेज खुलासा किया कि हमें असली आजादी 2014 में जाकर मिली है। भारत की स्वतंत्रता संग्राम की चमकदार विरासत में जिन्हें अंधकार नजर आता है वे देश के मूर्धन्य व विश्वप्रसिद्ध इतिहासकारों को वामपंथी विचारधारा से प्रभावित, पश्चिमपरस्त, हिन्दूविरोधी, देशविरोधी, राष्ट्रद्रोही सब कुछ कह डालते हैं क्योंकि ये विद्वान वस्तुस्थिति को कहते–लिखते आये हैं।

कोर्ट में वाद विचाराधीन पर प्रशासन ने जबरन खाली कराई जमानतदार की रिहायशी

पीएनबी ने दिया हाई कोर्ट का हवाला, पर नहीं दिखाया रिहाईशी खाली कराने का आदेश

महोली (सीतापुर)। नगर के एक ऊन व्यवसाई की फ र्म अमृतांश ट्रेडर्स व पीएनबी बैंक के लेनदेन संबंधी मामले में जिले के सिविल न्यायालय में विचाराध ीन वाद के दौरान तहसील प्रशासन बैंक व पुलिस के द्वारा रितु मिश्रा के घर को अधिग्रहीत करने की कार्य वाही से हड़कंप मच गया है। बैंक ने तहसील अधिकारियों व पुलिस की मदद से ऋ णी पर कार्यवाही करने के बजाय जमानतदार की संपत्ति को जबरन कब्जा किए जाने का प्रयास किया है। फ र्म के प्रोपराइटर महेश मिश्रा की मानें तो कोरोना संक्रमण आदि समस्याओं के चलते उनका व्यवसाय काफी ठप हो गया। ऊन व्यवसाय के लिए दी गई बैंक धनराशि घाटा हो जाने के बावजूद काफ ी ऊन स्टॉक में लगी हुई है। बैंक द्वारा अनाप. शनाप मनगढ़ंत धनराशि बनाकर उत्पीडन कार्यवाही कराई जा रही है। बैंक तथा तहसील के अधिकारियों द्वारा नोटिस देने की बात गृह स्वामिनी रितु मिश्रा से कही गई। जिस पर रीतू मिश्रा ने सिविल न्यायालय में चल रहे वाद का हवाला दिया और नोटिस न मिलने की बात बताई। काफी जद्दोजहद के बावजूद बैंक तहसील प्रशासन व पुलिस द्वारा महिला उत्पीडनकर घर का सारा सामान खुले में खड़ंजे पर निकाल कर बाहर किया जा रहा है। बैंक के अधिकारियों द्वारा हाईकोर्ट का हवाला देकर उनकी एक न सुनी और रिहायशी खाली कराने का बगैर कोई हाईकोर्ट आदेश दिखा, कब्जा करने की कोशिश की जा रही है। ऐसे में सिविल कोर्ट में विचाराधीन वाद के दौरान तहसील व पुलिस प्रशासन द्वारा बल पूर्वक अबला की रिहायशी खाली कराने की बर्बरता पूर्ण महिला उत्पीडन कार्रवाई विधि विरुद्ध प्रतीत हो रही है और समाज में कोर्ट की अवमानना मालूम पड़ रही है। कोर्ट पर जनता का भरोसा है जहां न्याय कर जमीन जायदाद संबंधी वादों का ही निपटारा किया जाता है। ऐसे में शासन–प्रशासन के सहयोग से बैंक द्वारा महिला की रिहायशी पर ताला लगाया जाना कितना उचित है। न्यायालय प्रशासन की जांच का विषय बन गया है।

अक्रोशित किसानों ने सिधौली पावर हाउस में जमकर काटा बवाल

सिधौली (सीतापुर)। तहसील से सटे कई ग्रामों में विद्युत आपूर्ति न होने के कारण कई ग्रामीणों व किसानों ने सिधौली पावर हाउस में जमकर प्रदर्शन किया और एसडीओ से जमकर बहस हुई और एसडीओ को ज्ञापन सौंपा। सिंहपुर ग्राम पंचायत के प्रधान रोहित सिंह की अगुवाई में कमलापुर इलाके के दर्जनों ग्रामीण विद्युत उपकेंद्र सिधौली पहुंचे। जहाँ पर ज्ञापन के माध्यम से किसानों ने बताया है कि उनके गांव में कई दिनों से बिजली ना आने के कारण उनके खेतों में पानी नहीं पहुंच रहा है। जिससे उनके फसलों को काफी हानि पहुंच रही थी। ज्ञापन से पूर्व उपकेंद्र एसडीओ एवं जेई से आक्रोश व्यक्त किया। एसडीओ शैलेन्द्र कुमार व किसान सौरभ सिंह में जमकर बहस भी हुई। जिसके बाद सिध ौली एसडीओ ने पूरी बात को सुनी एवं उनके समस्याओं को जल्द ही दूर कहने की बात कही। ज्ञापन के अनुसार ग्राम पेसिया, सिंहपुर, बसईडीह एवं कई अन्य गांवों कि बिजली आपूर्ति कमलापुर फीडर से चल रही थी। परंतु फीडर की ट्राली फुंक जाने के कारण उनकी लाइन को सिधौली फ ीडर से कर दिया गया है और बीते 25 अगस्त को सिधौली फीडर से लाइन हटाकर महमूदाबाद फीडर से जोड़ी गयी। जिससे विद्युत आपूर्ति मात्र सात घण्टे ही मिल रही है। एसडीओ ने बताया कि किसानों की बातों को ध्यान में रखकर उनका अटरिया फीडर से जोड़ दिया है। जिससे उनको अब परेशानी नहीं होगी। इस मौके पर संगठन प्रधान रोहित सिंह, सौरव सिंह, दुर्गेश जायसवाल, आशीष मल्होत्रा, धर्मेंद्र सिंह, फहीम, मृगेंद्र सिंह, संदीप मिश्रा, अशोक तिवारी के साथ अन्य किसान कार्ड उपस्थित रहे।

विद्यालय में पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन

बिसवां नगर (सीतापुर)। लहरपुर रोड पर स्थित बड्स एंड ब्लासम कान्वेंट स्कूल में पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में छात्र छात्राओं ने स्वादिष्ट व्यंजन बनाये। निर्णायक मंडल ने प्रतिभागियों की जमकर सराहना की। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में दि रेंज रेस्टोरेंट के स्वामी पंकज गुप्ता व विशिष्ट अतिथि के रूप में बीएनएसडी स्कूल के प्रबंधक अमर मेहरोत्रा उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कक्षा 5 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिभागियों ने कई तरह के व्यंजन बनाए। व्यंजन बनने के बाद मुख्य अतिथियों व स्कूल के शिक्षकों ने व्यंजनों को चखा और सबसे बेहतर व्यंजन बनाने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित भी किया। विद्यालय के प्रबंधक एजाज अली ने बताया कि पाक कला प्रतियोगिता में स्कूल के 14 बच्चों ने प्रतिभाग किया था। इस दौरान बच्चों को रोजमर्रा काम आने वाले पकवान बनाना भी सिखाया गया। बच्चों द्वारा बनाये गए स्वादिष्ट व्यंजन को चखकर सभी ने सराहना की। इस अवसर पर प्रबन्धक एजाज अली, प्रधानाचार्या आयशा अंसारी, निधि, शबाना, मारिया, ताबिश व स्कूली बच्चे मौजूद रहे।

स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत कूड़ेदान खरीद घोटाला

182 पर रिपोर्ट दर्ज,141 ग्राम प्रधान और 41पंचायत सचिवों पर केस दर्ज

हरदोई।स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत हरदोई में कूड़ेदान की खरीद में बड़ा घोटाला सामने आया है। यहां बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर कूड़ेदानों की खरीद की गई। यह खरीद बिना किसी अनुमति के केवल मौखिक आदेश पर की गई। इससे लाखों रुपये की चपत सरकारी खजाने को लगी है। इस मामले में विजिलेंस के लखनऊ सेक्टर थाने में 141 ग्राम पंचायतों के प्रधान व 41 ग्राम विकास अधिकारियों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

हरदोई जिला पंचायत राज अधिकारी रहे अनिल कुमार सिंह के खिलाफ भारत सरकार के फ्लैगशिप कार्यक्रम के तहत स्वच्छ भारत मिशन योजना में कूड़ेदानों की खरीद में की गई अनियमितता की खुली जांच के आदेश राज्य सतर्कता समिति ने दे दिए थे। जांच में पाया गया कि इस योजना के तहत सूखे व गीले कूड़े के लिए अलग–अलग कूड़ेदान सार्वजनिक भवनों, स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र एवं उप केंद्र, आंगनबाड़ी केंद्र, हाट बाजारों एवं धार्मिक स्थलों पर इसे स्टैंड पर लगाया जाना था।

जांच में पाया गया कि हरदोई जिले में कूड़ेदान की आपूर्ति के लिए कोई लिखित आदेश पारित नहीं किया गया। केवल मौखिक आदेश से मेसर्स एसएससीओ मैनेजमेंट सर्विस विभूतिखंड, गोमतीनगर, लखनऊ से आपूर्ति हासिल की गई। इसके लिए शासन द्वारा निर्धारित प्रक्रियाओं व मानकों का पालन नहीं किया गया। इतना ही नहीं इन कूड़ेदानों की खरीद के लिए ग्राम सभा द्वारा बनाई गई कार्ययोजना की प्रविष्टि रजिस्टर में दर्ज नहीं की गई। कूड़ेदानों की खरीद नील कमल कंपनी की 8348 रुपये प्रति जोड़ा व सुप्रीम डस्टबिन – 8686 रुपये प्रति जोड़ा (जीएसटी अलग से) की दर से खरीदी गई। जबकि बाजार में नील , कमल की डस्टबिन 4400 रुपये प्रति जोड़ा और सुप्रीम डस्टबिन 6000 रुपये प्रति जोड़ा की दर से उपलब्ध थी। जांच के दौरान जिन 141 ग्रामों की जांच की गई उसमें 1500 से अधिक डस्टबिन की खरीद में 17 लाख 11 हजार 344 रुपये का सरकारी खजाने का नुकसान का पता चला है। इस मामले में विजिलेंस ने कूड़ेदान सप्लाई करने वाली कंपनी मेसर्स एसएससीओ मैनेजमेंट, विभूतिखंड के निदेशक सुनील कुमार सिंह को भी दोषी माना है।

अवैध खनन कर रही एक जेसीबी मशीन व दो मिटड्डटी भरी ट्राली सीज

मिश्रिख (सीतापुर)। थाना मछरेहटा क्षेत्रान्तर्गत उच्चाधिकारियों के निर्देशन में कल्ली चौकी इंचार्ज व उनकी टीम के द्वारा बेरसुवा में हो रहे अवैध खनन में एक जेसीबी मशीन व दो ट्राली भरी मिट्टी समेत पकडने का सराहनीय कार्य किया गया है । यह अवैध खनन पिछले 10 दिनों से चल रहा था दिन रात जेसीबी धरती का सीना चीर कर मिट्टी पटान का कार्य कल्ली चौराहा स्थित आदित्य अवस्थी की दुकानों पर मिट्टी डाली जा रही थी । जिसकी शासन व प्रशासन द्वारा कोई भी अनुमति नहीं ली गई थी। जिसके सापेक्ष में उच्चाधिकारियों ने मांमले का संज्ञान लेते हुए कल्ली चौकी इंचार्ज को निर्देशित करते हुए तत्काल प्रभाव से अवैध खनन रोकने का आदेश दिया। अवैध खनन कर रही जेसीबी व दो ट्राली मिट्टी भरी पुलिस ने पकडने में सफलता हांसिल की है। नाम न छापने की शर्त पर बताया पिछले दरोगा द्वारा सेटिंग करके यह खनन हो रहा था। क्योंकि राजनैतिक संरक्षण प्राप्त होने के कारण पुलिस का कोई भय इनको नहीं होने के कारण यह अवैध खनन कराया जा रहा था। अब देखना यह है कि उप जिलाधिकारी मिश्रित, जिलाधिकारी एवं खनन अधिकारी इस प्रकरण में दोषियों पर क्या कार्यवाही करते हैं। आम जनता के समक्ष एक यक्ष प्रश्न बना हुआ है ।

बिना फिटनेश जर्जर हालत में हजारों की संख्या में फर्राटा भर रहे ई–रिक्शा

मिश्रिख (सीतापुर)। महर्षि दधीचि की पावन तपो भूमि पर कस्बा मिश्रित में नगर से लेकर सभी सड़कों पर हजारों की संख्या में ई.रिक्शा दौड़ रहे हैं। जिसमें बहुत से ई रिक्सा ऐसे हैं जो काफी जर्जर हो चुके हैं। उनका फिटनेश भी नहीं है। सबसे बड़ी बात यह है कि कस्बा मिश्रित की सभी सड़कों पर ज्यादातर नाबालिक बच्चों व्दारा तादात से अधिक सवारियां भरकर ई रिक्शों का संचालन किया जा रहा है। जो आए दिन दुर्घटनाओं को अंजाम दे रहे हैं। यह ई हिस्सा संचालक नहर चौराहा, तहसील चौराहा, मछरेहटा चौराहा, कुतुबनगर रोड पर सवारियां भरने के लिए आड़े टेढ़े खड़े करके घंटों जाम लगा देते हैं। नगर की सभी सड़कों पर प्रतिदिन जाम की आम समस्या बनी रहती है। इन ई हिस्सा चालकों द्वारा मीटर के ऊपर से केविल काट कर चार्जिग की जाती है। हर माह विद्युत चोरी कर लाखों रुपयों का चूना भी लगाया जा रहा है। तमाम जन शिकायतों के बावजूद भी पुलिस और आरटीओ विभाग मामले को लेकर कतई संजीदा नहीं है।

जिला कांग्रेस कमेटी ने की तैयारी बैठक

सीतापुर। जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय में कांग्रेस पार्टी द्वारा महंगाई के विरोध में दिल्ली में होने वाली रैली की तैयारी बैठक की गई। महंगाई के विरुद्ध हल्ला बोल रैली को सफल बनाने के लिए कांग्रेस पदाधिकारियों के विचार–विमर्श लिए गए तथा दिल्ली भारी से भारी संख्या में पहुंचने हेतु रणनीति तैयार की गई। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं सीतापुर इंचार्ज सुबोध श्रीवास्तव ने कहां वर्तमान समय में कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र विकल्प है। जो महंगाई के विरोध ा में लड़ाई लड़ रही है। उन्होंने आवाहन किया कि आगामी 4 सितंबर को अधिक से अधिक संख्या में दिल्ली पहुंचकर रैली को सफल बनाएं। जिलाध्यक्ष उत्कर्ष अवस्थी ने दिल्ली रैली में सीतापुर की सहभागिता पर जोर देते हुए अधिक से अधिक व्यक्तियों के वहां पहुंचने पर सभी पूर्व प्रत्याशियों तथा पदाधिकारियों से गहन चर्चा कर रणनीति को अंतिम रूप दिया। पूर्व विधायक हरीश बाजपेई ने कहा कि वर्तमान समय में सभी को एकजुटता के साथ कदम से कदम बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने भी आगामी दिल्ली रैली को सफल बनाने का आवाहन किया। इस अवसर पर प्रमुख रूप से शहर अध्यक्ष संतोष भार्गव, विनीत दीक्षित,आमोद मिश्र, डॉ ममता वर्मा, कमला रावत, अनुपमा द्विवेदी, सुभाष राजवंशी, धीरेश कश्यप, संजय कुमार सनी, नरेंद्र वर्मा, लवकुश मिश्र, मो0 दिलशाद, संदीप अग्निहोत्री, गुफरान खान, राजेंद्र निगम, चोक्ष विभु अवस्थी, आनंद श्रीवास्तव, सुधीर पांडे, शिशिर बाजपेई, संजय दीक्षित, मुनुवा सिंह, जेपी शुक्ल, रिजवान खान, सावेज मुख्तार, पीयूष अवस्थी, डॉ0 मसरूर अली, संजीव गुप्ता, दानिश नकली, रवि प्रकाश, मो0 अनीस, सुंदर सिंह शेखावत, राम सारे पाल, रूप किशोर सेठ आदि उपस्थित रहे।

इंसाफ की खातिर बीजेपी मंडल उपाध्यक्ष जिला कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे

हरदोई। जिले में बीजेपी जिला कार्यालय के बाहर आक्रोशित मंडल उपाध्यक्ष धरने पर बैठ गए। मंडल उपाध्यक्ष का आरोप है कि पूर्व की सपा सरकार में और वर्तमान सरकार में उनके खिलाफ फर्जी मुकदमे दर्ज किए गए।इसकी शिकायत उन्होंने संगठन से की लेकिन किसी ने उनकी मदद नहीं की।इंसाफ की खातिर वह अपने ही जिला कार्यालय के बाहर धरने पर बैठे हैं और इंसाफ की गुहार लगा रहे हैं। हालांकि मौके पर पहुंचे बीजेपी जिलाध्यक्ष और स्थानीय विधायक ने मंडल उपाध्यक्ष को इंसाफ का भरोसा दिलाया है। जिले में भाजपा के सांडी मंडल के उपाध्यक्ष कुलदीप सिंह आज सुबह भाजपा जिला कार्यालय पहुंचे और मुख्य द्वार के बाहर धरने पर बैठ गए।कुलदीप सिंह का कहना है कि उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाया गया लेकिन पार्टी पदाधिकारियों से गुहार करने के बाद भी मदद नहीं की। जैसे ही धरने की खबर मिली तमाम चर्चाएं शुरू हो गई।इस बारे में कुलदीप सिंह ने बताया कि मेरे ऊपर चार फर्जी मुकदमे लगाए गए थे। दो सपा सरकार में दर्ज कराए गए ,दो इसी सरकार में दर्ज कराए गए,दर्ज किये गए फर्जी मुकदमों में उन्होंने मदद की गुहार लगाई लेकिन उन्हें इंसाफ नहीं मिला बल्कि उनकी सरकार में ही दूसरी पार्टी छोड़कर भाजपा में आये नेताओं के इशारे पर फर्जी मुकदमे दर्ज हो गए। कुलदीप सिंह के तमाम आरोपों और धरने पर बैठने के बाद मौके पर बीजेपी जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्रा और सांडी विधानसभा क्षेत्र से बीजेपी विधायक प्रभास कुमार मौके पर पहुंचे। दोनों ने कुलदीप सिंह को इंसाफ का भरोसा दिलाया जिसके बाद कुलदीप सिंह ने अपना प्रदर्शन खत्म किया।

मोहल्लेवासियों ने किया साधु का अंतिम संस्कार

हरदोई।शहर के प्रगति नगर में स्थित अड़बड़ दस बगिया आश्रम में स्थित मंदिर के पुजारी साधु के देहावसान होने पर मोहल्ले वासियों ने पूरी श्रद्धा के साथ उनका अंतिम संस्कार किया। मालूम हो कि मोहल्ला प्रगति नगर के अड़बड़ दस बगिया आश्रम में स्थित मंदिर में साधु नरेंद्रचार्य लगभग 2 वर्षों से पूजा पाठ किया करते थे।कुछ दिनों से बीमार भी चल रहे थे और दवा चल रही थी।सुबह मोहल्ले वासियों ने उन्हें मृत पाया।उनके पास उनका कोई परिचित नही था।ठेकेदार रजनीश मिश्रा और पूर्व प्रत्याशी जिला पंचायत गिरीश मिश्र भजन,सतीश तिवारी आदि ने कार्यकारी ग्राम प्रधान प्रदीप गुप्ता को फोन किया।पुलिस को भी सूचना दी गई पर पुलिस के द्वारा कोई एक्शन न होने पर मोहल्ले वासियों ने सार्वजनिक रूप से पंचनामा तैयार कर हिंदू रीति रिवाज से पुजारी का अंतिम संस्कार मोहल्ले वासियों की उपस्थिति में किया गया अभी तक उनके पारिवारिक रिश्तेदारी का पता नही चला है।

पति और ससुर सहित पांच गिरफ्तार

जौनपुर (आरएनएस)। बरसठी थाना क्षेत्र के जरौटा ओझापुर गांव में विवाहिता की गला कसकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने सभी पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद पुलिस ने आरोपियों को बरसठी पानी की टंकी के पास से गिरफ्तार किया है।ज्ञात हो कि रविवार की शाम को संदिग्ध विवाहिता चन्दा देवी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा ली थी। मौके पर पहुँचे मायके वालों ने प्रताड़ित करने के साथ मारकर फांसी पर लटकाने का आरोप लगाते हुए पुलिस के यहां पति, ससुर, जेठ जेठानी समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।पुलिस ने शव को देर रात पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आरोप सही पाया गया।रिपोर्ट में पहले गला कसकर मारने की रिपोर्ट आयी है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर गला कसकर मारने वाली रस्सी व फांसी पर लटकी हुई साड़ी बरामद की है। थाना क्षेत्र के जरौटा (ओझापुर) गांव की महिला 30 वर्षीय चंदा देवी रविवार की शाम पांच बजे अपने कमरे का चौनल बंद करके छत पर लगे लोहे के राड के सहारे रस्सी से फांसी लगा लिया।

उस समय मृतका के दो बच्चे वर्षीय प्रियांशु 7, 2 वर्षीय परी बाहर रो रहे थे। पति, जेठ, जेठानी, सब खेत मे काम करने गये थे घर पर अकेली चन्दा ही मौजूद थी। खेत से काम करने के बाद सब आये तो बच्चों को रोता देख चौनल से देखा तो चंदा फांसी पर लटक रही थी, परिजन उसके गले से फांसी लगी रस्सी काटकर नीचे उतार मायके वालों को सूचना दिया। मृतका के पिता महेंद्र कुमार पटेल निवासी सोनपुरवा, अनेई जिला वाराणसी कई लोगों के साथ मौके पर पहुँचे। ससुराल व मायके पक्ष में काफी कहासुनी होने लगी, विवाद को बढ़ता देख पुलिस को मामले की सूचना दी गयी। रात दस बजे मौके पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि बेटी को तीन साल से ससुराल के लोग प्रताड़ित कर रहे थे पहले बेटी की पिटाई किये उसकी मौत हो जाने पर फांसी का रूप देने के लिए लटका दिये। पुलिस पति शिवशंकर पटेल, जेठ रविशंकर पटेल, ससुर बंशीधर पटेल, जेठानी संगीता, व शकुंतला के खिलाफ 302,201,147 का मुकदमा दर्ज किया कर आरोपियों के तलाश में थी कि पता चला बरसठी पानी टंकी के पास सभी लोग कही भागने की फिराक में है। पुलिस ने सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

एलआईयू इंस्पेक्टर श्रीश शर्मा को डीजीपी से मिला कमेंडेशन डिस्क सिल्वर

हरदोई। प्रभारी अभिसचना विभाग हरदोई में तैनात इंस्पेक्टर श्री शर्मा को उनके बेहतर कार्यप्रणाली को देखते हुए डीजीपी उत्तर प्रदेश ने कमेंडेशन डिस्को सिल्वर से सम्मानित किया है उनके इस सम्मान से मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई दी है। मालूम हो कि अभिसूचना इकाई हरदोई में तैनात इंस्पेक्टर श्री शर्मा अपने कार्यों के प्रति सक्रिय और संवेदनशील माने जाते हैं लायन आर्डर और सुरक्षा के मद्देनजर उनकी कार्यप्रणाली बेहतर मानी जाती है इसी को देखते हुए पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश डीएस चौहान ने श्रीश शर्मा को कमेंडेशन डिस्क सिल्वर से सम्मानित किया है उनके इस सम्मान से मित्रों और शुभचिंतकों ने बधाई दी है।

जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में टैबलेट व स्मार्ट फोन का वितरण किया गया

हरदोई।उत्तर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी डिजी शक्ति योजना के अन्तर्गत आज टड़ियावां विकास खण्ड के ज्ञानदीप महाविद्यालय में स्मार्ट फोन वितरण का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। संस्थान को वितरण हेतु कुल 332 स्मार्ट फोन उपलब्ध कराये गये थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख टड़ियावां रहे। इसके अतिरिक्त बावन विकास खण्ड के महिपाल सिंह महाविद्यालय खुमारीपुर मे स्मार्टफोन का वितरण किया गया। जिसमे मुख्य अतिथि ब्लाक प्रमुख बावन शिवा सिंह रही। उन्होंने कहा कि स्मार्ट फोन से विद्यार्थियों का तकनीकी सशक्तीकरण हुआ है, इसकी सहायता से उनकी पहुंच विभिन्न डिजिटल प्लेटफार्मो पर उपलब्ध ा अध्ययन सामग्री तक हो गयी है। बावन विकास खण्ड के ही बैजनाथ सिंह महाविद्यालय मे 55 स्मार्ट फोन दिये गये। राजपाल सिंह महाविद्यालय बेहटा गोकुल मे जिला पंचायत सदस्य रामरानी द्वारा 61 बच्चों को टैबलेट वितरित किया गया। इसी प्रकार हरियावां विकास खण्ड के सर्वेश जन सेवा अम्बेडर महाविद्यालय मे 27, कछौना विकास खण्ड के फातिमा महाविद्यालय मे 87, श्री डायमण्ड महाविद्यालय महुईपुरी हरदोई मे 27, बावन के राजबहादुर महाविद्यालय मे 08, आर0 आर महाविद्यायल मे पौथे पुरवा सुरसा मे 06, श्री विश्वनाथ महाविद्यालय नेवादा भरावन मे 437, सण्डीला के श्री साइनाथ महाविद्यालय मे 153, शाहाबाद के देवी दयाल रस्तोगी डिग्री कालेज मे 94 स्मार्ट फोन दिये गये। इस अवसर पर सम्बन्धित विकास खण्डों के खण्ड विकास अधिकारी व नोडल अधि ाकारी उपस्थित रहे।

घर लौट रहे फल विक्रेता को चाकू घोंपा

जौनपुर (आरएनएस)। दुकान बंद कर रात में घर लौट रहे फल विक्रेता को तीन बदमाशों ने चाकू मारकर घायल कर दिया। फल विक्रेता को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। केराकत कोतवाली थाना अंतर्गत शेखजादा मोहल्ला निवासी 45 वर्षीय खुरमुल्ली सोनकर सिहौली चौराहे पर फल की दुकान लगाता है। बीती रात वह दुकान बंद कर घर लौट रहा था। डाक बंगला के पास तीन बदमाशों ने पीछे से चाकू से हमला कर दिया। उसके चिल्लाने पर बदमाश उसे छोड़कर भाग गए। फल विक्रेता के सिर में गंभीर चोट आई है। सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजन उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र ले गए जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। फल विक्रेता ने बताया कि बदमाश तीन की संख्या में थे और तीनों ही मुंह बांधे हुए थे। उसने तीन अज्ञात के खिलाफ कोतवाली थाना में तहरीर दी है। उल्लेखनीय है कि तीन दिन पहले इसी फल विक्रेता के भतीजे किशन को कस्बे के ही एक मनबढ़ ने पीटकर घायल कर दिया था। हुए अचानक हमले से परिजनों में दहशत है। दूसरी ओर कोतवाली थाना की पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है और मामले की जांच में जुट गई है।

महिला का पर्स लेकर भागने की दर्ज नहीं की प्राथमिकी

जौनपुर (आरएनएस)। जलालपुर थाना क्षेत्र के जलालपुर चौराहे पर स्थित मिश्रा वस्त्रालय पर कपड़ा लेने आई महिला का जेवरात और रुपयों से भरा पर्स लेकर फरार हुए उचक्के के विरुद्ध पुलिस मुकदमा लिखने में हिला हवाली कर रही है। न्याय पाने के लिए पीड़ित एक सप्ताह से लगातार थाने का चक्कर काट रहा है परन्तु उसकी कोई सुनवाई नही हो रही है। सुनवाई तो दूर की बात है पुलिस पीड़ित महिला का तहरीर भी लेना मुनासिब नही समझ रही है। पीड़ित महिला अब उच्चधिकारियों के पास जाने की बात कह रही है। उदपुर गांव निवासी दिलीप कुमार अपने पत्नी माया और बच्चों के साथ जलालपुर चौराहे पर स्थित मिश्रा वस्त्रालय पर बीते 22 अगस्त की सुबह कपड़ा लेने गए थे। दिलीप ने बताया कि कपड़ा लेने के दौरान पत्नी माया ने दुकान के फर्श पर लगे गद्दे पर अपना पर्स रखकर और कपड़ा देखने लगी इतने में एक अज्ञात व्यक्ति दुकान के अंदर घुसता है और जब तक हम लोग कुछ समझ पाते तब तक वह पत्नी का पर्स लेकर फरार हो गया। पार्स में नगदी व जेवरात सहित लगभग 60 हजार रूपयों के मूल्य का सामान था। दुकान पर लगी सीसीटीवी कैमरे में वारदात की सारी घटना रिकॉर्ड हो गई है। मेरे द्वारा स्थानीय थाने पर सूचना दिया गया पुलिस दुकान पर लगी सीसीटीवी कैमरे को चेक करने के बाद जल्द ही पर्स बरामद करने का दावा करने लगी। मेरे द्वारा थाने पर तहरीर दी गई परंतु पुलिस ने तहरीर लेने से इंकार करते हुए मुझे आश्वासन दिया कि आपका पर्स जल्द ही मिल जाएगा। एक सप्ताह से ज्यादा समय बीत गया है आज भी मैं न्याय के लिए दर–दर की ठोकरें खा रहा हूं। इस संबंध में पुलिस का दावा है कि जल्द ही पर्स बरामद करके आरोपी को जेल भेजा जाएगा। आपको बता दें कि उचक्का गीरी की सारी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गयी है जो अब सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

आभूषण की ठगी करने वाली तीन महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

तरकुलवा/देवरिया। ज्वेलरी की दुकानों पर नकली आभूषण रखकर असली सोने के आभूषण की ठगी करने वाली तीन नकाबपोश महिलाओं सहित चार को पुलिस ने देर शाम गिरफ्तार किया। सभी गोरखपुर जनपद के पिपराइच के रहने वाले हैं। पुलिस चारों को हिरासत में लेकर मामले की जांच कर रही है। थानाक्षेत्र के तरकुलवा कस्बा में . देर शाम तीन महिलाएं आभूषण की दुकानों पर सोने की कील खरीदने पहुंचीं, जहां आभूषण देखने के दौरान वह सोने का कील लेकर उसके बदले नकली सोने का कील दुकान में रख देती थीं। देखते ही देखते कस्बे की आधा दर्जन ज्वेलरी की दुकानों पर हाथ साफ किया और स्वर्ण व्यवसायियों को चकमा देकर दर्जनों सोने की कील उड़ा दिया। संदेह होने पर दुकानदारों ने एक दूसरे से दूरभाष के जरिए संपर्क किया तो पता चला कि सबके साथ ऐसा ही हुआ है। दुकानदार फौरन महिलाओं को खोजते हुए विद्युत उपकेंद्र के समीप पहुंच गए, जहां पहले से मारुति खड़ी कर चालक बैठा था। वे भागने की फिराक में थे कि स्वर्ण व्यवसायियों ने उन्हें पकड़ लिया। उन्होंने सूचना पुलिस को दी। थाना प्रभारी दिनेश कुमार मिश्रा ने बताया कि तीन महिलाओं और एक चालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

डीआईओएस सहित दस लोग मिले कोविड पॉजिटिव

देवरिया। कोविड संक्रमण का ग्राफ बढ़ रहा है। प्रतिदिन संक्रमित मरीज मिल रहे हैं। डीआईओएस सहित नए दस पॉजिटिव मिले। इन्हें लेकर सक्रिय मरीजों की संख्या 24 हो गई है। डीआईओएस ने दिक्कत होने पर जांच कराई तो पॉजिटिव मिले। जिला जेल की एक महिला बंदी को इलाज के लिए अस्पताल लाया गया, जहां जांच में संक्रमित मिलीं। शहर के एक मोहल्ले की एक महिला बुखार और खांसी होने पर अस्पताल पहुंची, जहां जांच में पॉजिटिव मिली। वहीं सिविल कोर्ट सहित अलग–अलग मोहल्ले दो लोग संक्रमित मिले हैं। सदर विकास खंड क्षेत्र का एक युवक सिर दर्द से परेशान था, वह अस्पताल पहुंचा, जहां जांच में संक्रमित मिला। इसी ब्लाक की एक महिला व एक व्यक्ति भी पॉजिटिव मिले हैं। विकास खंड भागलपुर क्षेत्र की एक महिला शुगर की मरीज है। बुखार होने के कारण जांच कराई तो पॉजिटिव मिली। सलेमपुर ब्लाक क्षेत्र की एक महिला पेट में दर्द से परेशान थी। वह इलाज कराने अस्पताल पहुंची, जहां जांच में संक्रमित मिली। होम आइसोलेशन के सात लोग ठीक हुआ हैं। जिले में अब तक 22996 लोग पॉजिटिव हो चुके हैं, जबकि 22738 लोग स्वस्थ हो गए हैं। प्रभारी सीएमओ डॉ. सुरेंद्र सिंह ने कहा कि कोविड को लेकर कदम उठाए जा रहे हैं। हर रोज संभावित मरीजों की जांच कराई जा रही है।

झोलाछाप ने किया गलत इलाज, बालक की मौत

भागलपुर। थाना क्षेत्र में झोलाछाप के इलाज के चक्कर में शाम को तकिया धरहरा गांव निवासी एक बालक की हालत नाजुक हो गई। परिजनों ने बालक को भागलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां डॉक्टर ने बालक को मृत घोषित कर दिया। लार थाना क्षेत्र के तकिया धरहरा गांव में मामा के घर रह कर पढ़ाई करने वाले प्रिंस कुमार (10) पुत्र धनंजय प्रसाद के कान में घाव हो गया था। उसकी नानी उसे शाम गांव के चौराहे पर स्थित झोलाछाप के यहां ले गईं। झोलाछाप ने बालक को इंजेक्शन लगाया। इंजेक्शन लगते ही बालक की हालत बिगड़ने लगी। हालत गंभीर देख परिजन अन्य लोगों के सहयोग से भागलपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे, जहां प्रभारी चिकित्सक रंजीत कुशवाहा ने बालक को मृत घोषित कर दिया। उधर, झोलाछाप मौके से फरार हो गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भागलपुर के प्रभारी डॉ रंजीत कुशवाहा ने बताया कि अस्पताल पहुंचने से पहले ही बालक की मौत हो गई थी।

नहर में उतराया मिला शिक्षक का शव

महराजगंज। सदर कोतवाली क्षेत्र के चिऊरहा नहर में सुबह प्राइवेट शिक्षक का शव उतराया हुआ मिला। लोगों से मिली सूचना के बाद पुलिस मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल में जुट गई। जानकारी के अनुसार, सदर कोतवाली क्षेत्र के चिऊरहा कांशीराम आवास में रहने वाले विजय मिश्रा (53) का शव नहर में उतराया हुआ मिला। वह कोचिंग सेंटर चलाकर परिवार का गुजर–बसर करते थे। लोगों के अनुसार बीते कुछ दिनों से वह समस्याओं को लेकर परेशान थे। देर रात से ही उनका पता नहीं चल रहा था। घरवाले उनकी तलाश में जुटे थे। सुबह चिऊरहा के पास नहर में शव देखकर लोगों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मृतक की पत्नी नीलम ने मौके पर पहुंचकर शव की शिनाख्त की। मृतक का बड़ा बेटा सूरज और छोटा शुभम समेत पत्नी का रो–रो कर बुरा हाल है। नगर चौकी इंचार्ज अमित सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। तहरीर के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

आउट सोर्सिंग कर्मियों ने किया प्रदर्शन

चौक बाजार (महराजगंज)। नौकरी से हटाए जाने से नाराज आउट सोर्सिंग कर्मियों ने स्थानीय नगर पंचायत कार्यालय में प्रदर्शन किया। कहा कि उन्हें अचानक काम नहीं करने दिया गया। नगर पंचायत में कार्यरत आउट सोर्सिंग कर्मी जलकल प्रभारी शकुंतला गुप्ता, स्टोरकीपर किरन गुप्ता, रेखा रानी मिश्रा, ऑपरेटर अनिल कुमार, दीपक गुप्ता ने बताया कि बिना बताए 39 कर्मियों को कार्य मुक्त कर दिया गया है। सभी कर्मी ईमानदारी से अपनी ड्यूटी कर रहे थे। सूरज ने कहा कि नौकरी से निकालने से पहले नोटिस जरूर देना चाहिए। सूचना पर पहुंचे थानाध्यक्ष श्यामसुंदर तिवारी ने कर्मियों को समझा बुझाकर शांत कराया तथा उच्चाधिकारियों को समस्या से अवगत कराया। इस मौके पर दूधनाथ, अश्वनी, रामप्रीत, विश्वम्भर, प्रदीप यादव, शिकंदर, अखिलेश, मुकेश, मदन मोहन, मनमोहन आदि मौजूद रहे। अधिशासी अधिकारी दिनेश कुमार सिंह ने कहा कि कर्मियों की समस्याओं का समाधान करने का प्रयास किया जाएगा।

मारपीट में घायल शख्स की हुई मौत

परसा मलिक(महराजगंज)। ग्राम पंचायत विषखोप के टोला श्रीरामपुर में अप्रैल में दो पक्षों में हुई मारपीट में घायल शख्स की रविवार देर शाम लखनऊ में इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी सूचना मिलते ही गांव में पुलिस फोर्स और पीएसी तैनात कर दी गई।शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया। एएसपी आतिश कुमार सिंह तथा सीओ सदर अजय सिंह चौहान ने भी गांव का भ्रमण किया। जानकारी के मुताबिक, परसा मलिक थाना क्षेत्र के विषखोप के टोला श्रीरामपुर में 9 अप्रैल को प्रेम मोहन पांडेय तथा पूर्व प्रधान चंद्रिका प्रसाद के लोगों के बीच मारपीट हुई थी। जिसमें चंद्रिका प्रसाद के भाई विनोद कुमार (48) घायल हो गए थे। उनका लखनऊ के केजीएमयू अस्पताल में इलाज हो रहा था, जहां रविवार की देर रात उनकी मौत हो गई। गांव में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए नौतनवां, परसा मलिक, सोनौली और बरगदवा थाने की पुलिस बल तैनात ह।

पांच डॉक्टर सहित 20 कर्मी मिले गैरहाजिर, एक दिन का वेतन रोका

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, बैतालपुर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान पांच डॉक्टर सहित 20 स्वास्थ्यकर्मी अनुपस्थित मिले। डीएम ने अनुपस्थित स्वास्थ्यकर्मियों के एक दिन का वेतन रोकने के साथ ही स्पष्टीकरण तलब किया है।

डीएम दोपहर करीब 1.50 बजे बैतालपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचे। उन्होंने उपस्थिति पंजिका की जांच की तो पता चला कि डॉ. सरफराज आलम, डॉ. जयप्रकाश सिंह, डॉ. अमृता गुप्ता, डॉ. जमाल अहमद सिद्दिकी, डॉ. अल्पना राव, अलमीन अली, सुनीता निषाद, अजीत प्रताप सिंह, अल्का यादव, सीमा रानी, अवनीश त्रिपाठी, राधेश्याम यादव, प्रदीप कुमार सिंह, आद्या कुमार पांडेय, आनंद सोनकर, ओम प्रकाश भारती, ज्योति प्रजापति, प्रियंका गौतम और पूनम द्विवेदी अनुपस्थित हैं।

इनमें अधिकांश लोग सुबह उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर करने के बाद नदारद थे। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के एमओआईसी डॉ. विवेक कुमार ने जिलाधिकारी को बताया कि आरबीएसके के डॉक्टर सीएमओ कार्यालय गई हैं, जो अभी तक नहीं लौटी हैं। इस पर जिलाधिकारी ने मूवमेंट रजिस्टर मांगा।

मूवमेंट रजिस्टर पर ओवरराइटिंग दिखी। साथ ही 25 अगस्त के बाद सीधे ओवरराइटिंग युक्त 30 अगस्त का अंकन मिला, जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी फटकार लगाई। साथ ही ओवरराइटिंग की जांच के लिए एसडीएम मंजूर अहमद अंसारी की अध्यक्षता में जांच समिति बनाने का निर्देश दिया।

इसके बाद डीएम ने नियमित टीकाकरण की स्थिति जानी। बताया गया कि स्वास्थ्य केंद्र पर कुल नौ बच्चों का टीकाकरण किया गया है। स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात आयुष्मान मित्र की ओर से तीन आयुष्मान कार्ड बनाए गए थे। डीएम ने आयुष्मान मित्र को योजना का प्रचार–प्रसार करने और अधिक से अधिक लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाने का निर्देश दिया।

ओपीडी में 22 मरीजों ने स्वास्थ्य केंद्र पर परामर्श प्राप्त किया। उन्होंने ओपीडी की कम संख्या पर असंतोष व्यक्त किया और कहा कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अपनी ओपीडी संख्या बढ़ाएं तो जिला अस्पताल पर मरीजों का दबाव कम होगा।

पांच हजार रुपये रिश्वत लेते कानूनगो गिरफ्तार, केस दर्ज

देवरिया। खेत का नक्शा दुरुस्त कराने के लिए पांच हजार रुपये रिश्वत लेते एक कानूनगो को एंटी करप्शन की टीम ने ..गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के खिलाफ कोतवाली पुलिस ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

खुखुंदू थाना क्षेत्र के मरहवा गांव निवासी शत्रुध्न कुशवाहा ने 20 अगस्त को तहसील दिवस पर भूमि का पत्थर दुरुस्त कराने के लिए प्रार्थना पत्र दिया था। कार्रवाई की जिम्मेदारी हलका कानूनगो अशोक पांडेय को दी गई थी। आरोप है कि कानूनगो, शिकायतकर्ता से रिश्वत मांगने लगे। उन्होंने इसकी शिकायत एंटी करप्शन गोरखपुर से की।

शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एंटी करप्शन टीम के निरीक्षक शिव मनोहर यादव ने कानूनगो को रंगेहाथ घूस लेते हुए पकड़ने का प्लान बनाया। सुबह शिकायतकर्ता को टीम ने पांच हजार रुपये देकर भेजा, इस पर पीड़ित ने कानूनगो को रुपये लेने के लिए तहसील बरहज गेट पर बुलाया। वहां पर रिश्वत लेते हुए एंटी करप्शन गोरखपुर की टीम ने रंगेहाथ पकड़ लिया। रंगेहाथ घूस लेते पकड़े जाने के बाद तहसील के अन्य कर्मचारियों में हड़कंप मच गया। टीम ने सदर कोतवाली में आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

आरोपी कानूनगो निलंबित

देवरिया। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने रिश्वत लेते हुए पकड़े गए कानूनगो अशोक पांडेय को निलंबित कर दिया है। मामले में तहसीलदार बरहज को जांच कर 15 दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा गया है।

शत्रुध्न ने किया बहादुरी का काम

देवरिया। शिकायतकर्ता शत्रुध्न काफी दिनों से पत्थर दुरुस्त कराने के लिए तहसीलकर्मियों का चक्कर लगा रहे थे। इसके बाद काम नहीं हुआ तो तहसील दिवस पर गुहार लगाई। कानूनगो रिश्वत बिना काम नहीं कर रहा था। इस पर शिकायतकर्ता ने घूस देने की जगह सबक सिखाने की ठान ली। उन्होंने एंटी करप्शन से शिकायत कर दी।

एकतरफा प्यार में की थी छात्रा की हत्या,पुलिस ने किया खुलासा

महराजगंज। महराजगंज जिले के घुघली थाना क्षेत्र के बारीगांव के पास कोचिंग जा रही 17 साल की छात्रा की हत्या शादीशुदा युवक अन्नू सिंह उर्फ अभिषेक सिंह (27) ने एकतरफा प्यार में की थी। वारदात से एक दिन पहले अन्नू ने छात्रा से प्रेम का इजहार किया था, लेकिन उसने मना कर दिया था। इसी नाराज होकर अन्नू सिंह ने 27 अगस्त की दोपहर दोस्त विवेक पांडेय (24) के साथ मिलकर छात्रा की चाकू से गोदकर हत्या कर दी।

पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ ने हत्याकांड का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि हत्या का मुख्य आरोपी अन्नू सिंह उर्फ अभिषेक सिंह निवासी गजरा, थाना कप्तानगंज, जिला कुशीनगर और सह आरोपी विवेक पांडेय निवासी मझिला, थाना कप्तानगंज, जनपद कुशीनगर को शाम हरखी मोड़ से गिरफ्तार किया गया। इनके पास से एक मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल मिली है। दोनों आरोपियों को चालान कर दिया गया है।

घटना का पर्दाफाश करने के लिए पुलिस की पांच टीमें लगी थीं। एसपी ने बताया कि अन्नू सिंह ने पूछताछ में बताया कि वह छात्रा से एकतरफा प्यार करता था। मौका पाकर उससे प्रेम का इजहार करता था, लेकिन हर बार छात्रा मना कर देती। इससे वह परेशान हो जाता। 26 अगस्त की दोपहर जब किशोरी कोचिंग के लिए घर से निकली तो वह दोस्त विवेक के साथ उसका पीछा करते हुए उसके पास पहुंचा। उसे राजी करने का प्रयास किया, किंतु सफल नहीं हो सका। इससे नाराज होकर विवेक के साथ मिलकर 27 अगस्त की दोपहर चाकू से हमला कर छात्रा की हत्या कर दी। दो साल पहले हुई थी शादी, एक साल से पत्नी रहती है मायके में: 27 वर्षीय अन्नू सिंह की दो साल पहले शादी हुई थी। विवाद के कारण एक साल से पत्नी मायके में रह रही है। इस बीच उसका पत्नी से कोई संवाद नहीं है। सटरिंग का काम करता है। उसका साथी विवेक भी यही काम करता है। यह था मामला: घुघली थाना क्षेत्र के बारीगांव के पास 27 अगस्त की दोपहर कोचिंग पढ़ने जा रही छात्रा का शव धान के खेत में मिला था। छात्रा के शरीर पर चाकू के गहरे के निशान मिले थे। पुलिस टीम केस दर्ज कर जांच पड़ताल कर रही थी। शव मिलने के स्थान पर लगभग दो मीटर खेत में धान की फसल बर्बाद हो गई थी। इससे लग रहा था कि छात्रा ने हत्या आरोपियों के साथ काफी संघर्ष किया था।

बहुउद्देशीय हब के लिए अधिग्रहीत होगी 100 एकड़ भूमि

महराजगंज। भारत–नेपाल सीमा पर नौतनवां के पास अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त बहुउद्देशीय हब बनाने के जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार ने विभिन्न ग्राम पंचायतों का निरीक्षण किया। कहा कि सीमा क्षेत्र में बहुउद्देशीय हब बनाने के लिए 100 एकड़ भूमि का अधिग्रहण होगा। नौतनवां क्षेत्र के महुआ, अरघी, गनवरिया आदि ग्रामों में पहुंचकर उन्होंने उपलब्ध भूमि की स्थिति को देखा तथा कहा कि नागरिक सुविधाओं के लिए पर्यटन हब, शैक्षणिक हब, चिकित्सा हब आदि का विकास किया जाएगा। इसके बनने से पर्यटकों, व्यापारियों व अन्य लोगों को सभी आधुनिक सेवाएं आसानी से मिल सकेंगी। इसके विकास से भारत–नेपाल के व्यापार को बढ़ावा मिलेगा व स्थानीय स्तर पर रोजगार के बेहतर अवसर सृजित होंगे। सोनौली बस स्टेशन को अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ बनवाने का निर्देश दिया। नौतनवां में लोक निर्माण विभाग की भूमि पर बनाए जा रहे पार्क को देखा तथा कहा कि पार्क सुंदर हो, इस दिशा में सभी आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने थाई व बर्मी बौद्ध मंदिर का भी निरीक्षण किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी डॉ. पंकज कुमार वर्मा, उप जिलाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा समेत अन्य लोग मौजूद रहे। 17 से 21 तक लगेगा मेलाः डीएम सत्येंद्र कुमार ने जवाहर लाल नेहरू स्मारक पीजी कालेज में 17 से 21 सितंबर तक आयोजित ऋण मेले को सफल बनाने के लिए विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने मेला स्थल का निरीक्षण किया। कहा कि मेले को सफल बनाना सबकी जिम्मेदारी है। इसमें किसी स्तर से लापरवाही न बरती जाए। ईओ नगर पालिका को सफाई कराने के लिए निर्देशित किया। बैंकों के साथ–साथ कृषि, समाज कल्याण,पिछड़ा वर्ग कल्याण, उद्यम आदि विभागों को भी मेले में सहभागी बनने को कहा। उन्होंने बताया कि मेले में मुख्य अतिथि के रूप में केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी व भागवत कराड शामिल होंगे। इस दौरान एडीएम डॉ. पंकज वर्मा, ईओ आलोक कुमार सिंह आदि मौजूद रहे।

पानी का दबाव बढ़ने से नारायणी नहर का किनारा कटा

महराजगंज। नारायणी नहर में पानी का दबाव बढ़ने से गोपाला गांव के सिवान के पास लगभग तीस मीटर से अधिक नहर का किनारा कट गया है। इससे आसपास के खेतों में जलभराव हो गया है। मार्ग के बह जाने से आवागमन भी बाधित हो गया है, जिससे 18 गांवों की करीब 60 हजार से अधिक की आबादी को आने जाने में दिक्कत हो रही है। पानी का दबाव नहीं झेल पाने की वजह से अचानक नहर कट गई। सिंचाई विभाग की तरफ से कटे हुए स्थान पर मिट्टी गिराकर भरने का काम शुरू किया गया। नहर का किनारा अधिक कटने के कारण समस्या बढ़ गई है। मार्ग बह जाने से क्षेत्र के लोगों को महराजगंज जिला मुख्यालय आने के लिए चक्कर लगाना पड़ रहा है। गोपाला गांव के सिवान में धान फसल डूब गई है। किसान मीना देवी, ठाकुर जायसवाल, रामवृक्ष, रोशन, वेदल, छांगुर ने बताया कि फसल में अधिक दिनों तक पानी रहा था तो चौपट जाएगी। नहर में अत्यधिक पानी आने के कारण नहर की पटरी करीब 30 फीट तक टूट गई है। यह नहर गेरमा से शिकारपुर के मुख्य रास्ते से जुड़ती है। इस रास्ते हजारों की संख्या में लोगों का आवागमन होता है। सड़क टूटने से बरवा दिगंबर, बरियारपुर, खुरूड़ी, बड़हरा महंथ, परसिया, रामपुर खुर्द, बेलवा, गेरमा, गोपाला, लक्ष्मीपुर एकडंगा, विशुनपुर भड़ेहर, पकड़ी सिसवा, हरखपुरा, परसा गिदही, बल्लो खास, बरवा खुर्द गांवों के लोगों का आगवामन प्रभावित हो गया है। लोगों को लंबी दूरी चक्कर लगाकर आना–जाना पड़ रहा है। नहर टूटने से बगल का पांच एकड़ खड़ी फसल वाला खेत सिल्ट से पट गया है। नहर का पानी बगल के हिरना नाले में जा रहा है, जिससे खेतों में पानी नहीं फैल पा रहा है। सिंचाई खंड प्रथम के अधिशासी अभियंता विनोद वर्मा ने बताया कि कटान स्थल पर भराई शुरू करा दी गई है। जल्द ही उसे भर कर ठीक करा दिया जाएगा।

राशन कार्ड बनवाने में आवेदकों की घीस रही एड़ियां

कार्ड नहीं तो राशन नहीं : मजदूरी की रकम से राशन खरीदना मजबूरी

महराजगंज। आवेदकों को राशन कार्ड बनवाने में दुश्वारियां झेलनी पड़ रही हैं। गांव, ब्लॉक से लेकर जिला मुख्यालय तक चक्कर लगाते हुए आवेदकों की एड़ियां घीस जा रही हैं। लेकिन, उनकी समस्या दूर नहीं हो पा रही है।

कुछ आवेदक तो ऐसे हैं, जो अज्ञानता के कारण उचित स्थान पर आवेदन नहीं जमा किए हैं। लेकिन, कुछ तो संबंधित अधिकारी को आवेदन देकर चक्कर लगाने को विवश हैं। हालत यह है कि आवेदकों को मजदूरी की रकम से राशन बाजार से खरीदना पड़ रहा है। जानकारी के अनुसार, जिले में 1,049 राशन की दुकानें हैं। प्रत्येक माह 5 लाख 1,000 राशन कार्ड धारकों द्वारा राशन का उठान किया जाता है। जिसमें से 66,000 अंत्योदय कार्ड धारक हैं। चार लाख 35 हजार पात्र गृहस्थी के राशन कार्ड धारक हैं। सिंदुरिया गांव की रहने वाली शाहजहां खातून ने बताया कि विगत छह माह से राशन कार्ड बनवाने के लिए दौड़ रही हूं, लेकिन अब तक नहीं बन सका है। खेती के लिए जमीन भी नहीं है। दुकान से राशन महंगे दाम पर खरीदना पड़ता है।

पनियरा क्षेत्र के कुआचाप छावनी टोला की रहने वाली हिना ने बताया कि दस डिस्मिल खेत है। मजदूरी करके जीवन यापन किया जा रहा है। दो माह से राशन बनवाने के लिए चक्कर लगा रही हूं। अधिकारियों से शिकायत के बाद भी कुछ नहीं हुआ। कुआचाप गांव के इब्राहिम एवं शाह आलम ने बताया कि हम लोग भूमिहीन हैं। पात्र होने के बाद भी राशन कार्ड नहीं बन सका है। राशन कार्ड के लिए गांव के कोटेदार से कई बार कहा गया। ब्लॉक पर भी दो बार शिकायत की। राशन कार्ड नहीं रहने से परेशानी हो रही है। इसी गांव के ताज मोहम्मद व सलमान ने बताया कि राशन कार्ड नहीं बना है। ग्राम पंचायत लक्ष्मीपुर निवासी राजमती ने बताया कि 12 डिस्मिल खेत है। राशन कार्ड अब तक नहीं बन सका है। पति बैलगाड़ी चलाकर किसी तरह परिवार का पालन पोषण करते हैं। राशन कार्ड बनाने के लिए छह माह से चक्कर लगाना पड़ रहा है।

मार पीट में घायल ब्यक्ति का मेडिकल में मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोला/गोरखपुर।गोला थाना क्षेत्र के ग्राम भूपगढ़ के टोला दहियक निवासी राजेन्द्र गोड़ का मेडिकल कॉलेज में इलाज के दौरान मृत्यु हो गयी है। मृतक की पत्नी ने गोला थाने पर लिखित तहरीर देकर मुकदमा पंजिकृत करने के लिए दे दिया है। दहियक निवासी राजेन्द्र गोड़ धुरियापार चिनी मील पर गाड की नौकरी करते थे। सोमवार सुबह सात बजे से शाम सात बजे की ड्यूटी पर थे। ड्युटी से छुटने के बाद अपनी साइकिल से अपनेघर दहियक जा रहे थे। कि अभी कुछ दुर आगे पहुचे थे कि भूपगढ़ गांव के ही संगम पुत्र बैजनाथ सामने से आ गये। दोनों की साइकिल आपस मे आमने सामने टकरा गई। जिसपर संगम ने गाली देकर धक्का दे दिया। और दोनों में मारपीट शुरु हो गई। मार पीट में संगम भारी पड़े और राजेंद्र को ज्यादा पिट दिए। जिसके चलते वह बुरी तरह जख्मी हो गए। कीसी तरह से इसबात की जानकारी परिजनों को हुई। परिजन वहां पहुंच कर देखे की राजेन्द्र बुरी तरह से घायल हैं। तत्काल इलाज के लिए जिला अस्पताल लेकर गये। वहा पर स्थित नाजुक देख मेडिकल कॉलेज के लिए रेफर कर दिया गया। जहां बुद्धवार के तड़के सुबह उसकी मृत्यु हो गई। जिसकी लिखित सुचना मृतक की पत्नी द्वारा दे दी गई है। पीएम की कार्रवाई हो चूकी है। गोला थाने के कोतवाल का कहना है कि लिखित तहरीर मील गई है। मुकदमा लिख कर पुलिस ने कार्यवाही आरम्भ कर दी है।

अवैध शराब व्यवसायी की तीस लाख रुपये की संपत्ति कुर्क

देसही देवरिया। नौतन हथियागढ़ गांव में एक अवैध शराब व्यवसायी की तीस लाख रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी गई।

कार्रवाई के दौरान भारी फोर्स की मौजूदगी से गांव में घंटों तक लोगों के बीच अफरातफरी का माहौल रहा। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के आदेश पर रामपुर कारखाना थाना क्षेत्र के नौतन हथियागढ़ गांव के सुनील राजभर पुत्र स्व. रामचंद्र राजभर के घर प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में कुर्की की गई। इस समय सुनील राजभर जेल में बंद है। वह गांव में अवैध कच्ची शराब बनाने, तस्करी सहित कई गंभीर मामलों में आरोपी है। करीब 15 दिन पहले पुलिस ने मामले में नोटिस चस्पा करके मुनादी कराई गई थी। कार्रवाई के दौरान सदर एसडीएम सौरभ सिंह, तहसीलदार, सीओ सदर श्रीयेश त्रिपाठी, एसओ रामपुर कारखाना आदि मौजूद रहे।

गर्भवती महिलाओं मिलने वाले स्वास्थ्य उपकेंद्र करकी में पानी

एनम प्रेम शिला अर्जी लेकर पहुंची वीडियो दरबार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र |विकासखंड करमा अंतर्गत ग्राम पंचायत करकी में बना स्वास्थ्य उपकेंद्र में बरसात के पानी से |ताल तलैया हो गया है, उपकेंद्र पर मिलने वाली गर्भवती महिलाओं की सुविधा पर समस्या मंडराने लगी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विकासखंड करमा अंतर्गत ग्राम पंचायत करकी में विगत 12 वर्ष पूर्व बना स्वास्थ्य उपकेंद्र बारिश के पानी से चारों तरफ से ताल तलैया हो गया है पानी की निकासी की समस्या होने से पानी उपकेंद्र के अंदर बाहर है । उपकेंद्र पर तैनात एनम प्रेम शिला देवी ने बताया कि उक्त समस्या से मैंने उच्चाधिकारियों सहित ग्राम प्रध ।ान को भी सूचित किए परंतु ढाक के तीन पात वाली कहावत चरितार्थ हुई, अभी तक इसका निदान नहीं हो पाया है |जिसके कारण उप केंद्र के अंदर जाकर गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य लाभ देने में असुविधा होने लगी है। समस्या को देखते हुए एक बार पुनः ए एन एम प्रेम शिला देवी ने खण्ड विकास अधि ।कारी का पत्र के माध्यम से पहुँची हैं। एक तरफ उप मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर जहां जिले में तैयारियां जोरों पर है, जिला अस्पताल का काया कल्प हो रहा है, वही करकी स्वास्थ्य केन्द्र का हाल बेहाल है। स्थानीय ग्रामीणों ने व एनम प्रेम शिला सम्बंधित अधिकारियों सहित उच्चाधिकारियों का निदान हेतु ध्यान आकृष्ट किया है इस सम्बन्ध में जब बिडियो कर्मा से वार्ता की गयी तो उन्होंने कहा कि समस्या संज्ञान में आई है जल्द से जल्द समाधान होगा।

मानव सेवा ट्रस्ट में बच्चों को बितरित किया गया फल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। स्थानीय ब्लॉक अंतर्गत ग्राम पंचायत सुकृत स्थित मानव सेवा आश्रम ट्रस्ट के कार्यालय पर बच्चों में फल का वितरण किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माता प्रसाद तिवारी रहे। फल पाकर बच्चे बहुत खुश हुए। श्री तिवारी ने अपने संबोधन में कहा कि बच्चों को नियमित रूप से फलों का सेवन करना चाहिए। इसके सेवन से हमारा शरीर स्वस्थ व निरोग है। चाहे कोई भी मौसम हो, मौसमी फल अवश्य खाना चाहिए। अंत में ट्रस्ट के संस्थापक राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा ने कहा कि ट्रस्ट के माध्यम से गरीब व असहाय लोगों की सेवा पिछले 4 वर्षों से की जा रही है तथा आगे भी होती रहेगी। इसकी स्थापना 29 अगस्त 2018 को हुआ है। ट्रस्ट आयकर विभाग के सेक्शन 80 ळ के तहत छूट प्राप्त ट्रस्ट है। इस वितरण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के अलावा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौतम विश्वकर्मा, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता, जिला सचिव डाक्टर दिनेश कुमार, सदस्य पंकज कुमार, सरवरे अख्तर तथा बच्चे मौजूद रहे।

सीडीओ ने प्राथमिक विद्यालयों में छात्रों व अध्यापकों की उपस्थिति का दिया निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोरखपुर। विकास भवन सभागार में प्राथमिक शिक्षा विभाग में छात्रों व अध्यापकों की उपस्थिति से सीडीओ संजय कुमार मीना ने नाराजगी जाहिर करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी सहित बीएसए को निर्देशित किया कि प्राथमिक विद्यालयों में अध्यापकों व छात्रों की उपस्थिति शत–प्रतिशत हो जिससे छात्रों को बेहतर शिक्षा दिया जा सके साथ में विद्यालयों में संचालित योजनाओं की समीक्षा किया |सीडीओ ने ऑपरेशन कायाकल्प, आधार सत्यापन, यू–डायस प्लस डीसीएफ फीडिंग, निपुण भारत मिशन, स्कूल रेडिनेश की गतिविधियों का संचालन, प्रेरणा पोर्टल पर नवीन नामांकित बच्चों का ब्योरा, डीबीटी के तहत दी गई धनराशि का सदुपयोग और लाभार्थी की फोटो अपलोड होने की स्थिति की जानकारी ली। सीडीओ संजय कुमार मीना ने विद्यालयों में छात्र और शिक्षक की उपस्थित को शत–प्रतिशत सुनिश्चित करने को कहा। कोरोना के बाद खुले विद्यालयों में छात्रों व अध्यापकों की उपस्थिति शत प्रतिशत ना होने से गंभीरता से लेते हुए निर्देशित किया कि खंड शिक्षा अधिकारी अपने–अपने क्षेत्रों में छात्रों की उपस्थिति के साथ अध्यापकों की उपस्थिति सुनिश्चित करें जिससे पठन–पाठन सुचारू रूप से चल सके खंड शिक्षा अधिकारी पूरी ऊर्जा के साथ विभाग के दिशा–निर्देशों का अनुपालन करे बैठक में एडीएम प्रशासन पुरुषोत्तम दास गुप्ता बीएसए रमेन्द्र सिंह सहित संबंधि ात शिक्षा विभाग के अन्य अधिकारीगण मौजूद रहे।

स्वरक्षा मानव तस्करी रोध कार्यक्रम के अन्तर्गत कोर कमेटी बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली |पुलिस चौकी सोनौली में एस एस बी 22 बी वाहिनी के सब इंस्पेक्टर श्री तरून कुमार अदक जी के नेतृत्व में कार्यक्रम का बैठक किया गया बैठक के दौरान पुर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति शाखा नौतनवां के मोबलाइजर कृष्ण कुमार जी द्वारा मानव तसकरी दुनिया का सबसे बड़ा तीसरा संगठन अपराध बताते हुए प्रकृति आपदा, बाल श्रम, घरेलू हिंसा के सम्बन्ध में चर्चा करके उनके द्वारा बताया गया एवं पदम श्रेष्ठ इलाका प्रहरि एसआई बेलहिया नेपाल के द्वारा बताया गया की अंग निकालना, घरेलू हिंसा बाल विवाह रोकने हेतु चर्चा करके बताया गया इसके उपरांत ,एस एस बी 66 बाहिनी ेजिन टीम के एसआई श्री परितोष सिंह द्वारा बताया गया की बाल मजदूरी, दहेज प्रथा रोकने की जरूरत है और ऐसे अपराध को रोकने के लिए हम सभी को एक होकर आवाज उठाने की जरूरत है और आशा, आंगनबाड़ी, एनम ,के साथ मिलकर जागरुकता की जरूरत है,एस एस बी 22बी बहिनी के सब इंस्पेक्टर श्री तरून कुमार अदक जी द्वारा बताया गया की ग्राम सभा में सुरक्षित प्लायन रजिस्टर रखें और ग्राम सभा के खुली बैठक में और कोई दिवस पड़ाता है तो उसमें मानव तसकरी के मुद्दों पर लोगों को जागरूक करे उपस्थित पुलिस हेण्ड कान्स्टेबल पियूष तिवारी, पूजा मौर्य, महिमा यादव, वइद नेपाल श्री निजामुद्दीन, प्लान इण्डिया श्री अजय कुमार, मानव सेवा संस्थान श्री महबूब आलम,पुर्वांचल ग्रामीण सेवा समिति शाखा नौतनवां के कृष्ण कुमार, सुनील कुमार, पुष्पा चौधरी आदि लोग उपस्थित रहे।

हाई स्कूल व इंटर की बोर्ड की फार्म की तिथि बढ़ाने की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार |माध्यमिक शिक्षा परिषद उप्र द्वारा संचालित यूपी बोर्ड परीक्षा 2022 में सम्मिलित होने कर लिए बोर्ड फीस व ऑनलाइन फार्म भरने की तिथि समाप्त होने से क्षेत्र के अधिकांश गरीब छात्र छात्राएं बोर्ड की फीस व फार्म भरने से वंचित हो गए है। रामकेश, प्रिया, रुआब अली, रामलाल , रईस , प्रमोद यादव आदि का कहना है कि आर्थिक परेशानी के कारण बोर्ड का शुल्क नही जमा हो सका। निर्धारित तिथि समाप्त होने के कारण बच्चे परीक्षा से वंचित हो जाएंगे और उनका एक वर्ष समय भी बर्बाद होगा। क्षेत्र के लोगो ने छात्रों के हित मे यूपी बोर्ड के अधिकारियों व प्रदेश सरकार से हाई स्कूल व इंटर की बोर्ड परीक्षा का शुल्क व ऑनलाइन फार्म भरने की तिथि बढ़ाने की मांग की है।

लेखपाल कमलेश मिश्र को एसडीएम ने किया निलंबित,कब्जा हटाने के लिए मांग रहे थे पैसा

आडियो वायरल होने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। तहसील क्षेत्र के लेखपाल कमलेश मिश्र का संदिग्ध आडियो वायरल होने पर उनके खिलाफ विभागीय कार्यवाही करते हुए एस डी एम प्रमोद कुमार ने तहसीलदार की आख्या पर निलंबित कर भूलेख कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया है। कुछ दिनो से एक संदिग्ध आडियो गोल्हौरा क्षेत्र के लेखपाल का वायरल हुआ था जिसे संज्ञान मे लेते हुए एस डी एम प्रमोद कुमार ने मामले की जांच तहसीलदार को सौपा था |तहसीलदार ने जांच आख्या मे अवगत कराया कि कमलेश प्रसाद मिश्रा लेखपाल रा०नि० क्षेत्र गोल्हौरा का एक संदिग्ध आडियो वायरल हुआ है जिसमें इनके द्वारा अवैध कब्जा हटाने के लिए तीस हजार रूपया पहले एवं चालीस हजार रु वाद में देने की मांग किया जा रहा है। इस आडियों में प्रथम दृष्टया लेखपाल कमलेश प्रसाद मिश्रा की आवाज प्रतीत होती है। इस प्रकार इनके द्वारा कर्मचारी आचरण नियमावली का उल्लघंन किया गया है। तहसीलदार बांसी द्वारा इनके विरूद्ध निलंबन की कार्यवाही किये जाने हेतु आख्या प्रेषित किया गया है। तत्क्रम में एस डी एम ने कमलेश प्रसाद मिश्रा लेखपाल रा०नि० क्षेत्र गोल्हौरा के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ करते हुए निलम्बित करने का आदेश देते हुए उन्हे भूलेख कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया है।

जिलाधिकारी ने प्रमोशन पाये राजस्व निरीक्षकों की तहसीलों में तैनाती दी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने लेखपाल से कानूनगो पद प्रमोशन पाये 21 लोगों को उनके कार्यरत तहसील एवं गृह तहसील को छोड़कर विभिन्न तहसीलों में तैनाती दी है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व उमाशंकर द्वारा जारी आदेश में श्रीराम चौरसिया, नजमुल हसन, अशोक श्रीवास्तव को नौगढ़ में,अरुण श्रीवास्तव, रामचन्दर, रामकुबेर यादव को तहसील शोहरतगढ़ में,धर्म प्रकाश, सचिन्द्र श्रीवास्तव,अब्दुल हन्नान,सुनील श्रीवास्तव को तहसील इटवा में,राधेश्याम यादव, तिलकधारी सिंह, इंसाफ अली,प्रमोद मिश्र तहसील डुमरियागंज में, द्विवेदी, गिरीश चन्द्र मिश्र,प्रभु दयाल यादव, अब्दुल गफ्फार,मोहम्मद फारुख,शिवपूजन यादव,रामललित को तहसील बाँसी में तैनाती दी है |अपर जिलाधिकारी ने सभी को अपने तैनाती तहसील में तत्काल ज्वाइन करने का निर्देश दिया है।

जिले में समाजवादी पार्टी बनाएगी ढाई लाख सदस्य

बस्ती । आगामी निकाय चुनाव व लोकसभा 2024 की तैयारी के मददेनजर समाजवादी पार्टी की ओर से सदस्यता अभियान को आगे बढ़ा दिया गया है जनपद में करीब ढाई लाख नए सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है |सदस्यता अभियान की जानकारी देते हुए संगठन के निवर्तमान जिलाध्यक्ष व सदर विधायक महेंद्र नाथ यादव ने बताया कि विधायक, विधानसभा प्रत्याशी, जिला और शहर संगठन के निवर्तमान पदाधिकारियों को नए सदस्य बनाने का जिम्मा दिया गया पार्टी को और अधिक मजबूत करने के लिए हर बूथ पर दो सक्रिय व सौ सामान्य सदस्य बनाए जा रहे है |उन्होंने कहाकि अगर आप समाजवादी पार्टी के सदस्य बनने की सोच रहे हैं तो इसकी शुरुआत जिले में हो गई है |सदस्य बनने का पूरा सिस्टम हाईटेक कर दिया गया है सदस्य बनने के लिए पार्टी ने नंबर 7859999999 जारी किया है |इस नंबर पर मिस्डकॉल करके सदस्य बन सकते हैं |इसके अलावा पार्टी की वेबसाईट पर जाकर पार्टी की सदस्यता ले सकते हैं |पार्टी से जुड़ने के लिए युवाओं में काफी जोश देखने को मिल रहा है |मालूम हो कि विधानसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी जनपद पहले नंबर रही यहां गठबंधन समेत चार सीटों पर विजय हासिल की थी हालांकि गठबंधन के साथी सुभासपा अलग हो गई है तब भी पार्टी के तीन विधायक वर्तमान में है संगठन के प्रति जिले में निकाय चुनाव लड़ने वाले दावेदारों की रूचि बढ़ती जा रही है नई सदस्यता लेने वालों में चेयरमैन व वार्ड मेंबर में किस्मत आजमाने वाले लोग ज्यादा शामिल हैं ।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:– 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:– 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:– 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:– 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:– 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:– 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:– 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:– 9454400305
थाना मोहाना	मो0:– 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:– 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:– 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:– 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:– 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:– 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:– 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:– 9454404236
थाना इटवा	मो0:– 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:– 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:– 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:– 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:– 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:– 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:– 9454404232
थाना लोटन	मो0:– 9454404237
महिला थाना	मो0:– 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

उपमुख्यमंत्री के आगमन को लेकर भाजपा कार्यालय में तैयारियां जोरों पर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उत्तर प्रदेश सरकार के लोकप्रिय उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के कल जनपद सोनभद्र मे आगमन को लेकर उनके स्वागत की तैयारी हेतु भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे की अध्यक्षता में बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत चौबे ने उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आगमन पर उनके स्वागत व अन्य कार्यक्रमों की विस्तार से योजना बनाते हुए कार्यकर्ताओं को बताया की उपमुख्यमंत्री आगमन पर जोरदार स्वागत किया जायेगा। स्वागत के लिए प्रमुख स्थानों पर पदाधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गयी है |तैयारी बैठक में जिलाउपाध्यक्ष उदयनाथ मौर्य, अशोक मौर्य, जिला महामंत्री रामसुन्दर निषाद, कृष्णमुरारी गुप्ता, जिला मंत्री शंम्भू नारायण सिंह, जिला मिडिया प्रभारी अनूप तिवारी, जिला कोषाध्यक्ष राकेश मेहता, आदि मौजूद रहे।

जरूरी नहीं दूध हमेशा फायदा ही पहुचाएं, जरूरत से ज्यादा सेवन के होते हैं ये दुष्प्रभाव

दूध को पूर्ण आहार माना जाता हैं जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। बच्चे हो या बूढ़े सभी को दूध का सेवन करने की सलाह दी जाती हैं जो सेहत को कई फायदे पहुंचाता हैं। लेकिन कहते हैं ना कि किसी भी चीज की अति हानिकारक होती है, फिर वह चाहे दूध ा ही क्यों ना हो। जी हां, जरूरी नहीं दूध हमेशा फायदा ही पहुचाएं, इसका जरूरत से ज्यादा सेवन सेहत को कई नुकसान भी पहुंचा सकता हैं। दूध के अधिक सेवन से आपके शरीर में कई परेशानियां घर कर सकती हैं जिससे आपको आगे चलकर दिक्कतें होंगी। आज इस कड़ी में हम आपको बताने जा रहे हैं कि अधिक दूध पीने से शरीर को किस तरह के दुष्प्रभाव का सामना करना पड़ता हैं।

पाचन से जुड़ी समस्याएं

किसी भी चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन नुकसान ही पहुंचाता है, चाहे वो दूध ही क्यों न हो। अधिक मात्रा में दूध का सेवन पाचन से जुड़ी समस्याएं खड़ी कर सकता है। कई बार ऐसा होता है कि ज्यादा दूध ा पी लेने से पेट फूल जाता है और गैस आदि की समस्या भी हो जाती है। इसलिए दूध का सेवन उतनी ही मात्रा में करें, जितना कि आपको उससे कोई परेशानी न हो।

यह मतली पैदा कर सकता है

अमेरिकन नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ के अनुसार, 65त्न वयस्कों में लैक्टोज इंटॉलरेंस का कोई न कोई रूप होता है। मतली सबसे बड़े लक्षणों में से एक है, और कुछ मामलों में, दूध, आइसक्रीम और पनीर सहित लैक्टोज युक्त किसी भी प्रकार की डेयरी का सेवन करने के बाद उल्टी हो सकती है।

थकान और सुस्ती होना

ज्यादा दूध पीने के कारण आपको मिचली, बेचौनी, थकान और सुस्ती भी हो सकती है। इसके अलावा डेयरी वाले दूध में ए1 कैसिइन मौजूद होती है, जो आंतों में सूजन पैदा करने के साथ–साथ बैक्टीरिया को भी बढ़ावा देता है। इसलिए सीमित मात्रा में ही दूध का सेवन करें।

वजन बढना हैः हाई वसा वाले डेयरी प्रोडक्ट के ज्यादा सेवन से आपका वजन बढ़ सकता है। शोध ा से पता चलता है कि हेल्दी डाइट के हिस्से के रूप में हर दिन पर्याप्त दूध, दही और पनीर का सेवन वजन बढने से नहीं जुड़ा है। इसके लिए आपको मॉडरेशन का ध्यान रखना होगा।

कैंसर का कारण बन सकता है

इस पर बहुत कम शोध हुआ है, लेकिन कुछ का कहना है कि बहुत अधिक दूध प्रोस्टेट या स्तन कैंसर जैसे कुछ प्रकार के कैंसर का कारण बन सकता है। इनमें से अधिकांश अध्ययन एपिडेमियोलॉजिकल हैं, जिसका अर्थ है कि इसमें समय के साथ लोगों में खपत और बीमारी के रुझान को देखा जाता है।

हृदय संबंधी समस्याएं

दिनभर में तीन गिलास से अधिक दूध ा का सेवन करने से हृदय संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। ऐसा हम नहीं कह रहे बल्कि कई शोध ों में यह दावा किया गया है। इसलिए बेहतर है कि किसी आहार विशेषज्ञ से सलाह लें कि आपको कितनी मात्रा में दूध का सेवन करना चाहिए।

मुंहासे पैदा कर सकता है

ऐसा माना जाता है कि आज जो दूध उपलब्ध है उसमें वृद्धि और दूध उत्पादन को नियंत्रित करने वाले हार्मोन होते हैं। यह इंसुलिन विनियमन को बाधित करके मुंहासे को खराब करने के लिए जाना जाता है। यही कारण है कि फुल फैट वाले गाय के दूध का सेवन करना बेहतर माना जाता है, जिसमें आमतौर पर हार्मोन का इंजेक्शन नहीं होता है।

एलर्जी की समस्या

अगर आपको लैक्टोज एलर्जी या फिर दूध से किसी तरह की एलर्जी है, तो यह आपके इम्यून सिस्टम को प्रभावित कर सकती है। इसके कारण आपको खुजली और लाल रंक के चकत्ते होने की संभावना हो सकती है। इसके अलावा दूध से एलर्जी होने की वजह से कुछ लोगों को सांस लेने में भी परेशानी या फिर शरीर में सूजन की समस्या हो जाती है। दूध की एलर्जी कभी–कभी बहुत ही घातक साबित हो सकती है। इसलिए इस तरह की समस्या को नजरअंदाज ना करें। अगर आपको दूध पीने से स्किन पर सूजन, खुजली या फिर अन्य समस्याएं हो रही हैं, तो तुरंत दूध पीना बंद कर दें।

महारानी से मोनिका तक, हुमा कुरैशी का सिजलिंग ट्रांसफॉर्मेशन

राजकुमार राव और हुमा कुरैशी–स्टारर मोनिका, ओ माय डार्लिंग से जारी स्टिल्स का एक नया सेट, नेटफ्लिक्स पर प्रदर्शित होने के लिए तैयार है, जिसमें हुमा कुरैशी का एक अलग ही अवतार देखने को मिल रहा है। जाहिर है इससे पहले हुमा

कुरैशी महारानी में अपने किरदार के सुर्खियां बटोर चुकी हैं। हुमा ने इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, देखने की वजह, इस्का कहानी अच्छी है। यह फिल्म वासन बाला द्वारा निर्देशित एक नव–नोयर क्राइम–ड्रामा थ्रिलर है। मोनिका, ओ माई डार्लिंग की टीम फिल्म्स डे में शामिल हुई और दर्शकों से एक साथ काम करने, अनूठी शैली और फिल्म बनाने के पीछे क्या कारण थे, के बारे में बात की। इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, वासन बाला ने कहा, मोनिका, ओ माय डार्लिंग मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट रहा है और हम रहस्य और ड्रामा से भरपूर इस ट्विस्टेड क्राइम कॉमेडी के साथ सभी का मनोरंजन करने के लिए इंतजार नहीं कर सकते। माचिस शॉट्स और नेटफ्लिक्स के साथ जुडना हमारे शानदार कलाकारों की टुकड़ी के साथ इस अनूठी कहानी को जीवंत करने के लिए एक परम आनंद दिया गया है। मोनिका, ओ माई डार्लिंग एक नव–नोयर है जो उस संपूर्ण योजना के बारे में फिल्मों के लिए एक श्रोत है जिसने शामिल लोगों के जीवन में तबाही मचाई। फिल्म की घोषणा पिछले साल जुलाई में की गई थी। वासन बाला द्वारा निर्देशित, माचिस शॉट्स द्वारा निर्मित, मोनिका, ओ माय डार्लिंग में राधिका आप्टे, सिकंदर खेर, भगवती पेरुमल, आकांक्षा रंजन कपूर, सुकांत गोयल और जैन मैरी खान भी हैं। दिलचस्प बात यह है कि सिकंदर खेर को छोड़कर, मुख्य कलाकारों के सभी सदस्यों ने पहले नेटफ्लिक्स के साथ सहयोग किया है, जिन्होंने सुष्मिता सेन–स्टारर डिज्नी प्लस हॉटस्टार श्रृंखला आर्या में दौलत की अपनी भूमिका से पहचान हासिल की थी।

सारा अली खान और जहान्वी कपूर अब नए प्रोजेक्ट में साथ आएंगी नजर, शेयर की तस्वीरें

एक्ट्रेस जान्हवी कपूर और सारा अली खान, जिन्होंने हाल ही में कॉफी विद करण सीजन 7 में कॉफी काउच शेयर किया था, अब एक अडवेंचरस प्रोजेक्ट के लिए साथ आने वाली हैं. एक्ट्रेस सारा अली खान ने जान्हवी कपूर के साथ अपनी एक तस्वीर शेयर की और एक नए प्रोजेक्ट की तरफ इशारा किया. उन्होंने लिखा, कॉफी बनाने से लेकर अब तक को–एक्टर्स के रूप में हमने शूट किया. रुको और हमें देखें– हमें बताएं कि आपने क्या सोचा. तस्वीर में, हम दोनों एक्ट्रेस को कैजुअल आउटफिट में एक साथ बैठे देख सकते हैं. खबर के जरिए फैंस में काफी एक्सिटमेंट ला दिया है. एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने भी एक कमेंट किया, जिसमें लिखा था, यह एक धमाका होने वाला है.

जहां सारा ने अपनी एक डरावनी तस्वीर शेयर की, वहीं जान्हवी कपूर ने थोड़ी अलग तस्वीर शेयर की, जिसमें वे दोनों कैमरे की ओर मुस्कुराते हुए दिखाई दे रहे थे. उनके कैप्शन में लिखा था, ट्रैवल एडवेंचर्स कॉफी डेट्स और अब को–स्टार्स!.

बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान की 2020 में उनकी दो फिल्में रिलीज हुईं थीं – लव आज कल और कुली नंबर 1 और दोनों ही दर्शकों को लुभाने में नाकाम रहीं. हालांकि, अतरंगी रे (2021) में उनके परफॉरमेंस ने फिर से साबित कर दिया कि वह कितनी टैलेंटेड हैं. अब एक्ट्रेस को देखकर ऐसा लगता है की वह आने वाले समय में अपनी एक बड़ी छाप छोडने के लिए तैयार हैं. एक मीडिया रिपोर्ट को अनुसार उनकी अगली फिल्म, ऐ वतन...मेरे वतन, की शूटिंग अगले महीने, सितंबर 2022 में शुरू होने के लिए तैयार है. एक्ट्रेस स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता का किरदार निभाने वाली हैं.

द घोस्ट के निर्माताओं ने नागार्जुन के जन्मदिन पर साझा किया फिल्म का पोस्टर

प्रवीण सत्तारु के निर्देशन में बन रही किंग और अक्किनेनी नागार्जुन की बहुप्रतीक्षित फिल्म द घोस्ट सुर्खियों में हैं। नागार्जुन को उनके जन्मदिन पर बधाई देते हुए निर्माताओं ने एक नया पोस्टर जारी किया। इसके नाटकीय ट्रेलर को जबरदस्त प्रतिक्रिया मिल रही है। 90 लाख व्यूज के साथ ट्रेलर को 200 हजार से अधिक लाइक्स मिल चुके हैं और यह अभी भी यूट्बय पर ट्रेंड कर रहा है। पोस्टर में, हाथ में कीमती धातु तमहगने लिए नार्गाजुन को एक कुर्सी पर बैठे और कड़ी निगाहों से देखा जा सकता है। इस अवसर पर फिल्म का एकदम सही जन्मदिन पोस्टर जो एक उपन्यास अवधारणा के साथ एक एक्शन थ्रिलर होने के लिए बिल किया गया है। फिल्म में तमहागने नागार्जुन का हथियार है और उसी की झलक को भी असाधारण प्रतिक्रिया मिली। सोनल चौहान फिल्म में नागार्जुन के साथ प्रमुख महिला की भूमिका निभा रही हैं, जहां दोनों इंटरपोल अधिकारी हैं। फिल्म में गुल पनाग और अनिखा सुरेंद्रन भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। श्री वेंकटेश्वर सिनेमाज एलएलपी और नॉर्थस्टार एंटरटेनमेंट बैनर के तहत शरथ मरार एक भव्य बजट पर द घोस्ट का निर्माण कर रहे हैं। मार्क के. रॉबिन संगीत निर्देशक हैं, गाने भरत और सौरब की जोड़ी ने दिए हैं। कैमरे के पीछे का आदमी मुकेश जी हैं, ब्रह्मा कदली कला निर्देशक हैं और दिनेश सुब्बारायण और काचा ने स्टंट को कोरियोग्राफ किया है। द घोस्ट 5 अक्टूबर को दशहरा रिलीज के साथ बड़े पर्दे पर उतरेगी।

टोंड फेस या शॉर्प जॉलाइन के लिए करें फेशियल योग

हर कोई एक शॉर्प जॉलाइन का चेहरा पाने का सपना देखता है। टोंड फेस पाने के लिए लोग कितनी ही मेहनत करते हैं। कॉस्मेटिक सर्जरी से लेकर मेकअप तक न जाने लोग क्या–क्या ट्राई नहीं करते। अब जाहिर–सी बात है कि हर किसी के लिए कॉस्मेटिक सर्जरी तो पॉसिबल नहीं है, लेकिन हर कोई फेस को टोंड करने के लिए फेस योग जरूर कर सकता है। आइए, जानते हैं फेशियल योग (द्घड्डष्द्बड्डद्य 4शद्दड्ड) के बारे में–

मुंह फुलाओः यह एक्सरसाइज चेहरे की मांसपेशियों में ब्लड सर्कुलेशन को तेज करने में मदद करेगा। बढ़ा हुआ ब्लड सर्कुलेशन आपके ऊपरी गाल की मांसपेशियों को पोषण देगा जिससे आपके चेहरे की विशेषताएं तेज और नुकीले दिखेंगी।

कैसे करें– अपने मुंह को हवा से भरें और 10 सेकंड के लिए अपनी सांस को रोककर रखें। अब हवा की दिशा को अपने गाल के दाहिनी ओर मोड़ें और 10 सेकंड के लिए इस प्रक्रिया को दोहराएं। अपने गाल के बाईं ओर भी यही एक्सरसाइज करें।

माथे की मसाज

इस एक्सरसाइज की प्रैक्टिस करने से आपकी भौंहों को झडने से रोकने में मदद मिलेगी और आपको माथे की झुर्रियों से छुटकारा पाने में मदद मिलेगी। माथे की झुर्रियां माथे पर पडने वाले सिलवटों और ड्रायनेस से होती है।

कैसे करें – अपनी तर्जनी और मध्यमा को अपनी भौहों के नीचे रखें। अपनी हथेली और उंगलियों को अपने चेहरे पर टिकाएं, सुनिश्चित करें कि पूरी प्रक्रिया के दौरान आपकी आंखें खुली रहें। अपनी उँगलियों का उपयोग करके भौंहों के ऊपर और नीचे की ओर सॉफ्ट मोशन से करें। इस प्रक्रिया के 3 सेट करें, प्रत्येक सेट 30 सेकंड का होना चाहिए, बाद में अपने चेहरे को आराम दें।

गर्दन और होंठों पर फोकस

यह एक कठिन काम हो सकता है, लेकिन यह आपको टोंड जॉलाइन बनाने में मदद करेगा। यह एक्सरसाइज आपकी गर्दन, मुंह और गाल की मांसपेशियों पर फोकस करता है।

कैसे करें– अपने निचले होंठ को अपने मुंह के एक तरफ पीछे की ओर रखें। आपकी गर्दन की मांसपेशियों पर दबाव महसूस होगा। 10 सेकंड के लिए इसकी प्रैक्टिस करें। इस प्रैक्टिस को करते समय आपकी गर्दन में एक सिकुडन का अनुभव होगा। इस प्रक्रिया को कम से कम 15 बार दोहराएं।

अपनी ठोड़ी को उठाएं

यह एक्सरसाइज ठोड़ी से फैट को कम करेगा। यह चेहरे के निचले आधे हिस्से पर फोकस करता है और आपके जबड़े को टोन करने में आपकी मदद करेगा। कैसे करें– अपनी गर्दन को पीछे की दिशा में रखें, अपनी गर्दन को फैलाएं। आप ऊपर की ओर देखें फिर अपने ऊपरी होंठ और निचले होंठ को हिलाएं। इस स्थिति में 10 सेकंड तक रहें।